संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 248
पृष्ठ 8
मंगलवार
28 मई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- औषधीय गुणों से भरपूर है.... | विचार- मौसम की मार, बढ़ते तापमान से दुनिया... | खेल- टी२० विश्व कप अभ्यास मैचों ...

माफिया मिट्टी में मिले तो यूपी में आने लगा निवेश : योगी

- योगी ने मोहम्मदाबाद में बलिया लोकसभा सीट के लिए की जनसभा
- सपा ने केवल अपने परिवार के यादवों को दिया टिकट
- कोई सभ्य मुसलमान नहीं रखता बच्चों का नाम औरंगजेब
- अयोध्या, काशी के बाद मथुरा की तैयारी

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यूपी से माफिया का सफाया करने के बाद अब प्रदेश में भारी पैमाने पर निवेश आ रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में बड़े स्तर पर निवेश हो रहा है, जिसके बाद यहां फैक्ट्रियां लगेंगी और नौजवानों को यहीं पर नौकरी भी मिलेगी। योगी ने सपा पर प्रहार करते हुए कहा कि इन लोगों ने गरीबों के बेटों को मारने का संकल्प लिया था, तो हमने भी माफिया को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया और आज माफिया मिट्टी में मिल चुके हैं। योगी आदित्यनाथ सोमवार को मोहम्मदाबाद में बलिया लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी नीरज शेखर के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद हम मथुरा जाने की तैयारी कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारियों की पावन धरा को कोटि कोटि नमन करते हुए कहा कि मोहम्मदाबाद क्षेत्र के लिए स्वर्गीय कृष्णानंद राय के बहुत से सपने थे। यहां के विकास को लेकर वह अत्यंत चिंतित रहते हैं और लगातार प्रयास करते थे। मगर जब कृष्णानंद राय जैसा कोई जनप्रतिनिधि विकास के लिए कोई प्रयास करता था सपा के लोग ऐसे नेताओं को माफियाओं की भेंट चढ़ा देते थे। इन लोगों ने स्वर्गीय कृष्णानंद राय की हत्या पर संवेदना व्यक्त करने की जगह हत्यारों को संरक्षण दिया और आज माफिया के मरने पर मातम मनाने आते हैं। कृष्णानंद राय के साथ ही श्याम शंकर राय, रमेश राय, रमेश पटेल, मुन्ना यादव सहित अन्य लोगों को बर्बरता के साथ मारा गया था। तब प्रदेश में सपा और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। ये दोनों जब भी मिलते हैं तब अनर्थ होता है। हमें फिर से कोई अनर्थ नहीं होने देना है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस को ये बताना चाहिए कि मुन्ना यादव, रमेश पटेल जिनकी मुख्तार ने हत्या की थी, क्या वो पिछड़ी जाति के नहीं थे। प्रयागराज में पूजा पाल के पति राजू पाल और जया पाल के पति उमेश पाल क्या पिछड़ी जाति के नहीं थे। उनका संकल्प भाजपा के जनप्रतिनिधियों को, गरीब के बेटों को मारने का था तो हमारा भी संकल्प था कि माफिया को मिट्टी में मिलाकर रहेगे। हमें गौरव की अनुभूति होनी चाहिए कि आज हम एक ऐसे माहौल में जी रहे हैं, जिसकी कल्पना देश के प्रथम स्वातंर्त्य सेनानी मंगल पांडेय, चित्तू पांडेय ने की थी। विकास की जो तड़प पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर में थी और मोहम्मदाबाद के विकास के लिए चिंतित रहने वाले स्वर्गीय कृष्णानंद राय के सपनों को साकार करने का प्रयास मोदी कर रहे हैं। आज पूरे देश में जहां कहीं भी हम जाते हैं लोगों के मन में एक ही भाव और संकल्प है। इन लोगों ने यादवों को भी टिकट दिया तो केवल अपने परिवार वालों को। उन्होंने निरहुआ को मुम्बई से लाकर आजमगढ़ की जिम्मेदारी दी। उनके सांसद बनने के बाद आजमगढ़ में एयरपोर्ट, विश्वविद्यालय, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और संगीत महाविद्यालय बन गया। अच्छे लोग चुनकर आते हैं तो विकास भी अच्छा होता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस अपने मेनिफेस्टो में कहती है कि वह सत्ता में आएगी तो पर्सनल लॉ लागू करेगी। इसका मतलब बेटी स्कूल नहीं जा पाएगी, महिलाएं बाजार नहीं जा पाएंगी, तीन तलाक की कुप्रथा को फिर से लागू करेंगे। हम हिन्दुस्तान को शरियत से नहीं चलने देंगे, यहां तालिबानी शासन नहीं होने देंगे। इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। आज तो कोई सभ्य मुसलमान भी अपने बेटे का नाम औरंगजेब नहीं रखता, क्योंकि उसने अपने बाप को कैद करके पानी के लिए तरसाया और अपने भाई की हत्या की। सपा में राशन माफिया हावी थे, मगर आज 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है। हमें बलिया संसदीय सीट से नीरज शेखर को भारी बहुमत से जिताना होगा।

4 सीट भी पार नहीं कर पाएगी सपा : अमित शाह

- ये चुनाव रामभक्तों पर गोली चलाने और मंदिर बनाने वालों के बीच

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के चंदौली और सलेमपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस और समजावादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा 400 पार करने वाली है और कांग्रेस 40 के अंदर सिमटने वाली है, अखिलेश जी 4 भी पार नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि ये चुनाव रामभक्तों पर गोली चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों के बीच है। आप रामभक्तों पर गोली चलाने वाली समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को वोट दे सकते हो क्या? शाह ने कहा कि इस चुनाव में एक ओर 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार करने वाले दो शहजादे राहुल बाबा और अखिलेश यादव हैं। वहीं दूसरी ओर 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बावजूद जिनपर 25 पैसे का भी आरोप नहीं है, ऐसे हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी हैं। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन परिवारवादियों का गठबंधन है। उसके दलों के अध्यक्षों का लक्ष्य अपने बेटे–बेटी और भतीजों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंन जोर देते हुए कहा कि 4 जून के परिणाम सुनिश्चित है, भाजपा जीतने वाली है, 400 सीटें आने वाली हैं। उस दिन 4 बजे राहुल बाबा प्रेस कांफ्रेंस करेंगे और श्कहेंगे कि म्टड के कारण भाजपा जीती है। राहुल बाबा, हार का ठीकरा मशीनों पर मत फोड़िये, अपनी नीतियां देखिए, जिनके कारण जनता आपको नहीं चुनती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कहती है कि पाकिस्तान के पास एटम बम है, च्वज्ञ मत मांगिए। अरे राहुल बाबा, आप इस देश को नहीं जानते हो, ना चंदौली वाले डरते हैं और ना भाजपा वाले एटम बम से डरते हैं। मैं चंदौली की पवित्र भूमि पर कहकर जाता हूं कि च्वज्ञ भारत का था, है और हम इसे लेकर रहेंगे। शाह ने कहा कि मोदी जी ने जम्मू–कश्मीर से धारा 370 को समाप्त कर दिया। ये राहुल बाबा उस समय भी कहते थे कि जम्मू–कश्मीर से 370 मत हटाओ, वहां खून की नदियां बह जाएंगी।

आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही वास्तविक सशक्तिकरण : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि लोगों का आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही वास्तविक सशक्तिकरण है। श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को यहां ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व इतिहास के स्वर्णिम अध्याय और राष्ट्रों का इतिहास सदैव आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित रहे हैं। विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि आध्यात्मिक मूल्यों की उपेक्षा करके केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंततः विनाशकारी सिद्ध हुआ है। उन्होंने कहा, "स्वस्थ मानसिकता के आधार पर ही समग्र कल्याण संभव है। एक सच्चा स्वस्थ व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों आयामों को पूरा करता है। ऐसे व्यक्ति ही एक स्वस्थ समाज, राष्ट्र एवं विश्व समुदाय का निर्माण करते हैं।" श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही वास्तविक सशक्तिकरण है।

जम्मू कश्मीर में जल्द हो सकते है विधानसभा चुनाव, निर्वाचन आयोग ने दिए संकेत

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने सोमवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान पिछले 35 साल में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। आयोग ने कहा कि वर्ष 2019 के आम चुनाव के मुकाबले इस साल के लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत में 30 अंक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने मतदान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''यह सक्रिय भागीदारी जल्द ही होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एक बड़ी सकारात्मक बात है ताकि केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया जारी रहे।'' आयोग ने यह भी कहा कि पांच लोकसभा सीट वाले पूरे केंद्र शासित प्रदेश के मतदान केंद्रों पर संयुक्त मतदान प्रतिशत 58.46 रहा। सीईसी कुमार ने शनिवार को 'पीटीआई वीडियो' से कहा था कि लोकसभा चुनाव में जम्मू–कश्मीर के मतदान प्रतिशत से उत्साहित आयोग 'बहुत जल्द' केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करेगा। कश्मीर घाटी की तीन लोकसभा सीट श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग–राजौरी सीट पर क्रमशरू 38.49 फीसदी, 59.1 फीसदी और 54.84 फीसदी मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। केंद्रशासित प्रदेश की अन्य दो सीट उधमपुर और जम्मू में मतदान प्रतिशत क्रमशरू 68.27 फीसदी और 72.22 फीसदी रहा।

आंध्र में सड़क दुर्घटनाओं में आठ लोगों की मौत, दो घायल

तिरूपति, एजेंसी। आंध्र प्रदेश में सोमवार तड़के दो अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दुर्घटना उस समय हुई जब नेल्लोर से वेल्लोर जा रही कार तिरूपति जिले के एम कोंगरावारीपल्ली में पुथलपट्टू–नायडूपेटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार सड़क डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में में चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। एक अन्य घटना में कृष्णा जिले के बापुलपाडु मंडल के कोडुरुपाडु में एचपी पेट्रोल बंक के पास कार और लॉरी की टक्कर से चार लोगों की मौत हो गयी।

जब तक मोदी और भाजपा हैं, धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे : नड्डा

वाराणसी, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को कहा कि जब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा हैं, तब तक धर्म के आधार पर आरक्षण लागू नहीं होने दिया जाएगा। वाराणसी लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी और प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव प्रचार के लिए यहां पहुंचे नड्डा ने काल भैरव मंदिर में पूजाकृअर्चना करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में विपक्ष के बारे में पूछे गये एक सवाल पर कहा, विपक्ष को आप देख ही लेंगे कि चार जून (लोकसभा चुनाव परिणाम की घोषणा की तिथि) को उसका क्या हाल होगा। उन्होंने विपक्ष पर धर्म के आधार पर आरक्षण देने का मंसूबा रखने का आरोप लगाते हुए कहा, संविधान में स्पष्ट लिखा हुआ है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा और जब तक मोदी जी हैं और भारतीय जनता पार्टी है, तब तक धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे।

सोनिया, खड़गे, राहुल ने पंडित नेहरू को पुण्यतिथि पर किया नमन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 60वीं पुण्यतिथि पर नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती गांधी और श्री खडगे ने सुबह पंडित नेहरू के समाधि स्थल श्शांति वनश जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा "अपने कुशल नेतृत्व तथा सशक्त निर्णय से आधुनिक भारत की नींव रखने वाले पंडित नेहरू को शत्त–शत्त नमन।"

एस.लाल
एण्ड
सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसुति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, स्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

नौतपा का तीसरा दिन, पारा 44 डिग्री सेल्सियस के पार

प्रयागराज। प्रयागराज में नौतपा का असर तीसरे दिन सोमवार को भी है। एक तरफ तेज धूप और दूसरी तरफ लू की गर्म हवाओं से लोग बेहाल हैं। उमस भरी गर्मी से लोग बचने के उपाय खोज रहे हैं। आज यानी सोमवार की सुबह 7:30 बजे तक अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो यह दोपहर बाद 3 बजे से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। यह स्थिति शाम सात बजे तक रहेगी। इसके बाद आठ बजे से तापमान में गिरावट आएगी।

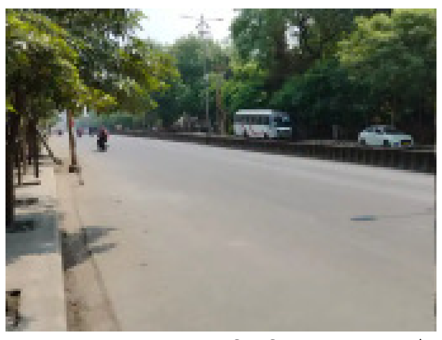

दो जून तक परेशान करेगा नौतपा

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व मौसम विज्ञानी डॉ. शैलेंद्र राय कहते हैं कि दो जून तक इसी तरह गर्मी पड़ेगी। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। बंगाल की खाड़ी में उठ रहे तूफान के असर से तेज हवाएं भी चलेंगी। यह हीटवेव यानी लू का रूप होगा। लू सीधे शरीर पर बुरा असर डालता है। इससे बचकर रहने की जरूरत है। मंगलवार को तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

प्रयागराज में 5 घंटे बिजली कटौती से लोग परेशान

सिविल लाइंस समेत पॉश इलाकों में बिजली गुल, आधी रात की कटौती लोगों की नींद उड़ी

प्रयागराज। भीषण गर्मी में प्रयागराज के लोग बिजली कटौती से परेशान है। रोज 2 से 5 घंटे की बिजली कटौती हो रही है। अब रात में भी पावर कट और भी दिक्कतें बढ़ गईं हैं। बिजली कटौती का सिलसिला पिछले एक हफ्ते से बढ़ गया है। इससे शहरियों में गुस्सा बढ़ रहा है। मतदान के दिन भी प्रयागराज में कई घंटे बिजली गुल रही थी।

एक हफ्ते से हैं बदतर हालात

गर्मी में बिजली कटौती हमेशा से ही होती रही है लेकिन पिछले एक हफ्ते से शहरी इलाकों का हाल ज्यादा खराब हो गया है। अमूमन पुराने शहर में ज्यादा कटौती होती रही है। इस बार सिविल लाइंस में भी दोपहर से लेकर रात तक पांच से छह घंटे बिजली कट रही है। कटरा, कर्नलगंज, जार्जटाउन, टैगोर टाउन, अल्लापुर में भी यही हाल है। पुराने शहर के करेली में सबसे ज्यादा बिजली कटौती की मार झेली जा रही है। इसी प्रकार मुट्ठीगंज, रोशनबाग, नुरुल्ला रोड, अकबरपुर, बहादुरगंज, दरियाबाद, बेनीगंज, अटाला, रसूलपुर में पांच घंटे बिजली कटौती की जा रही है। राजापुर, ऊंचवागढ़ी, खुसरोबाग, हिम्मतगंज, बेनीगंज, नखासकोहना, आजाद नगर, साउथ मलाका, मानसरोवर, कीडगंज, बाई का बाग, बैरहना, जीरो रोड, बताशामंडी आदि मोहल्लों में भी अघोषित कटौती हो रही है।

गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, ट्रेनों के एसी हो रहे खराब

प्रयागराज, आगरा, झांसी मंडल की 62 ट्रेनों के एसी हुए फेल, 15 दिन में 178 शिकायतें

प्रयागराज। अबकी बार भीषण गर्मी पड़ने का रिकॉर्ड भी टूट रहा है। तेज धूप, लू, तपिश, उमस भरी इस गर्मी में में ट्रेनों के एसी भी जवाब दे जा रहे हैं। इस वक्त रेलवे में शिकायतों का पिटारा एसी की कूलिंग न होने या फिर कम होने को लेकर है। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के तीनों मंडलों की बात करें तो प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडल में एसी काम न करने की शिकायतें बढ़ीं हैं। 15 दिनों में 178 शिकायतें ।६ के काम नहीं करने के मिले हैं।

139, रेल मदद एप पोर्टल, एक्स पर ऑनलाइन शिकायतें

यह वो शिकायतें हैं जो रेलवे के नंबर 139, रेल मदद एप पोर्टल, एक्स के जरिए की गईं। ऐसे बहुत सारे मामले हैं जिनमें ट्रेनों के बड़े स्टेशन पर पहुंचने पर यात्रियों ने हंगामा किया। इतनी शिकायतें करीब 60 से 62 ट्रेनों में आईं। एक तरह से कहा जाए तो गर्मी की वजह से अचानक एक–एक कर करीब 60 ट्रेनों के एसी फेल हो गए। हालांकि शिकायतों के बाद एसी ठीक कराया गया। ऑनलाइन शिकायतों की निगरानी खुद रेलवे अफसरों ने की, इसलिए यात्रियों को जल्दी राहत मिल गई।

दिल्ली, मुंबई, बिहार, कोलकाता रूट पर ज्यादा दिक्कत

रेलवे अपने यात्रियों की सुवधाओं, परेशानियों को दूर करने के लिए शिकायत पेटिका के साथ ही ऑनलाइन बात रखने की सुविधा मुहैया करा रहा है। चलती ट्रेन में दिक्कत होने रेलवे ने कई ऑनलाइन प्लेटफार्म बनाए हैं। शरीर झुलसाती गर्मी में यात्रियों की ज्यादातर शिकायतें भी इसी से जुड़ी आ रही हैं। इन दिनों सबसे ज्यादा मामले ट्रेनों में एसी के काम न करने को लेकर है। सबसे ज्यादा शिकायतें दिल्ली और मुंबई रूट की ट्रेनों को लेकर आईं। इसके अलावा बिहार, कोलकाता, पुणे, गुजरात, के साथ पूर्वोत्तर जाने वाली ट्रेनों में शिकायतें दर्ज कराई गईं। प्रयागराज की बात करें तो तीन दिन पहले महानगरी एक्सप्रेस और नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के एसी में कूलिंग न होने को लेकर यात्री बिफर पड़े थे। हालांकि गर्मी में यह परेशानी बढ़ने की वजह से रेलवे ने प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर एक टेक्निकल टीम तैयार रखी है ताकि यात्रियों की पेरशानी दूर की जा सके।

मतगणना स्थल के हाई सिक्योरिटी वाले कमरे में कुत्ता बंद होने पर पूर्व सीएम अखिलेश ने ली चुटकी

प्रयागराज। मुंडेरा मंडी स्थित मतगणना स्थल के हाईसिक्योरिटी कमरे में रिकॉर्ड के साथ कुत्ता बंद हो जाने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ईवीएम की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए चुटकी ली है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर खबर को पोस्ट करते हुए लिखा... हाई सिक्योरिटी का ये हाल है बाकी का क्या कहना? ध्यान से दिखवा लें कहीं किसी बदनीयत से कोई आदमी तो अंदर नहीं है।

जानें क्या है पूरा मामला : बता दें कि मुंडेरा मंडी में मेजा विधानसभा क्षेत्र के कमरे में चुनावी प्रपत्रों के साथ एक कुत्ते को भी बंद कर दिया। वह रात भर चिल्लाता रहा। रविवार को प्रशासनिक अफसरों को इसकी सूचना मिली तो कुत्ते को बाहर निकालने की कवायद शुरू हुई। हाई सिक्योरिटी वाले कमरे में रखे प्रपत्रों को नुकसान न हो, सो इलाहाबाद संसदीय सीट के सभी प्रत्याशियों को बुला लिया गया और देर रात उनकी मौजूदगी में कमरा खोलकर कुत्ते को बाहर निकाला गया। शनिवार को मतदान के बाद मतदान कर्मी ईवीएम और चुनावी संबंधी पत्र जमा करने के लिए मुंडेरा मंडी पहुंचे थे। वहां देर तक ईवीएम और प्रपत्र जमा कराए जाते रहे। ईवीएम को स्ट्रॉन्गरूम में रखा गया और प्रपत्रों को अलग कमरे में रख दिया गया। जिस कमरे में मेजा विधानसभा क्षेत्र से जुड़े चुनावी प्रपत्र रखे गए, उसमें पहले से एक कुत्ता मौजूद था। किसी ने ध्यान नहीं दिया और कुत्ता उस कमरे में बंद हो गया। रात में उसके चिल्लाने की आवाज आती रही। सुबह इसकी सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई तो पता चला कि प्रपत्रों वाले कमरे में कुत्ता बंद है। शाम को सभी प्रत्याशियों को सूचना देकर मुंडेरा मंडी में बुला लिया गया और उनकी मौजूदगी में रात 10रू15 बजे के आसपास कमरे को खोला गया। कमरा खोलते ही कुत्ता तेजी से निकलकर भागा। प्रत्याशियों को दिखाया गया कि वहां रखे गए सभी प्रपत्र सुरक्षित हैं।

कॉलेजों में काम आसान करेगा समर्थ पोर्टल

प्रो. राजेंद्र सिंह राज्य विवि से संबद्ध 703 कॉलेजों में बनाया जाएगा अकाउंट

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों को हाईटेक करने की तैयारी चल रही है। इसी क्रम में इन कॉलेजों में समर्थ पोर्टल एक्टिव किया जा रहा है। मंडल के 703 ऐसे कॉलेज हैं जिनमें अब समर्थ पोर्टल के जरिए कामकाज शुरू होगा। खास बात यह है कि इसी पोर्टल के जरिए एडमिशन की भी प्रक्रिया शुरू होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इसके लिए सभी कॉलेजों को पत्र भी भेजा गया है जिसमें कहा गया है कि उन्हें स्वयं समर्थ पोर्टल पर अकाउंट तैयार करना होगा। कॉलेजों से स्थायी ई–मेल आईडी और मोबाइल नंबर भी मांगे गए हैं। इस आईडी और मोबाइल नंबर पर ओटीपी भी मिलेंगे।

एक क्लिक पर छात्रों को मिलेगी जानकारी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2024–25 में महाविद्यालयों से संबंधित सभी काम समर्थ पोर्टल के जरिए शुरू हो जाएगा। इससे एक तरफ जहां कॉलेज संबंधित जानकारियों इसी पोर्टल पर मिल जाया करेंगी वहीं दूसरी तरफ कॉलेजों का काम भी आसान होगा। पूरा डेटा इसमें उपलब्धा रहेगा। छात्रों के लिए विशेष लाभकारी होगा। छात्र प्रवेश प्रक्रिया से लेकर एग्जाम व रिजल्ट तक की पूरी जानकारी इस समर्थ पोर्टल के जरिए हासिल कर सकता है।

झोलाछाप के गलत इलाज से युवक की मौत

पत्नी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के उतरांव क्षेत्र छाप डाक्टर के इलाज की मौत हो गई है। मामले में पुलिस ने झोलाछाप डॉक्टर के दर्ज किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उतरांव थाना क्षेत्र के बिर्गापुर निवासी चंद्र प्रकाश स्वर्गीय दूधनाथ मजदूरी करके अपनी पत्नी और चार बच्चों का भरण पोषण करता है। बताया जाता है कि शाम् को एक झोलाछाप ने व्यक्ति की जान ले ली है। पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। बिरगापुर गाँव निवासी चंद्र प्रकाश गौतम 40 पुत्र स्वर्गीय दूधनाथ मजदूरी करके अपनी का भरण पोषण करता था। देर शाम को उसकी तबीयत ठीक नहीं थी। वह गांव के ही झोलाछाप डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के यहां दवा लेने गया तो ग्लूकोज चढ़ाने लगा और आरोप है कि गलत इलाज के कारण शाम को चंद्र प्रकाश गौतम की मौत हो गयी।

झोलाछाप के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज : पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने झोलाछाप के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। वही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यमुना में स्नान करने गए दो युवकों की डूबकर मौत, काफी देर के बाद गोताखोरों ने निकाला शव

प्रयागराज। अतरसुइया थाना क्षेत्र के दरियाबाद के पास जोगी घाट पर स्नान करने गए दो युवक गहरे पानी में समा गए। घाट पर स्नान कर रहे लोगों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया लेकिन दोनों का पता नहीं चला। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गए। गोताखोरों की मदद से दोनों की खोजबीन की गई। काफी देर मशक्कत करने के बाद गोताखोरों ने दोनों को बाहर निकाला। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह मामले में सुनवाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष की बहस पूरी, मुस्लिम पक्ष दलीलें पेश करेगा

प्रयागराज। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज सुनवाई होगी। 24 मई को हुई सुनवाई में हिंदू पक्ष ने अपनी बहस पूरी की थी। बहस खत्म होने के बाद अब मुस्लिम पक्ष फिर से अपनी दलीलें पेश करेगा। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच 18 याचिकाओं पर कर सुनवाई कर रही है। हिंदू पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने अगली सुनवाई 27 मई को दोपहर 12 बजे की दी है। अभी तक की सुनवाई में हिंदू पक्ष मामले को राम जन्मू भूमि की तर्ज कर सुनवाई आगे बढ़ाने की मांग कर रहा है। जबकि मुस्लिम पक्षकारों का कहना है कि मामले में आगे की सुनवाई न हो। मुस्लिम पक्ष मुकदमे की पोषणीयता, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991, लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम आदि बिंदुओं पर अपनी बात रख रहा है।

24 मई को अदालत ने सुनी थीं दोनों पक्षों की दलीलें

धर्मिक स्थल से जुड़े इस विवाद के मामले की सुनवाई लगातार चल रही है। 24 मई को हुई सुनवाई में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनी थीं। करीब दो घंटे तक चली सुनवाई में हिंदू पक्षकारों के वकीलों ने अपनी दलीलें दीं थी। सुनवाई सूट नंबर 5 पर चली थी। इसके बाद अदालत ने सुनवाई जारी रखने का आदेश दिया था। शाही ईदगाह कमेटी और वक्फ बोर्ड के वकील भी मुकदमें को लेकर बहस कर रहे हैं। हाईकोर्ट के जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच मुस्लिम पक्ष की दलीलों के बाद हिंदू पक्ष की ओर से अदालत में सिविल वाद को एक्सप्लेन किया जा रहा है। हिंदू पक्ष इस मामले को अयोध्या विवाद की तर्ज पर केस चलाने की मांग उठा रहा है। है। मंदिर पक्ष ने हाईकोर्ट में कहा था कि कटरा केशव देव के नाम दर्ज जमीन पर विवादित ढांचे की संपत्ति के स्वामित्व का सुन्नी संेट्रल बोर्ड या ईदगाह की इंतजामिया कमेटी ने अभी तक कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया है और विवादित संपत्ति में विपक्षी के नाम कोई बिजली कनेक्शन भी नहीं है। कहा गया कि अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे हैं। बिजली विभाग ने बिजली के अवैध इस्तेमाल के लिए एफआईआर भी दर्ज कराई है। मुस्लिम पक्ष ने दीवानी मुकदमे की पोषणीयता, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991, लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम आदि बिंदुओं पर अपनी बात रखी है। सोमवार को मुस्लिम पक्षकार अपली दलीलें पेश करेंगे।

पहले की सुनवाई में क्या कहा गया था....

पिछली सुनवाई में मंदिर पक्ष ने यह भी कहा था कि कथित समझौते में देवता पक्षकार नहीं हैं। समझौता पूजा समिति ने किया था। इसलिए वादी पर बाध्यकारी नहीं है। शाही ईदगाह के अवैध ढांचे को हटाने के बाद कब्जे के साथ मंदिर की बहाली और स्थायी निषेधाज्ञा के लिए मुकदमा दायर किया गया है। मुकदमे में प्रार्थना से पता चलता है कि ईदगाह मस्जिद का ढांचा वहां मौजूद है और मस्जिद प्रबंधा समिति का उस पर कब्जा

है।शाकुम्भरी पीठाधीश्वर आशुतोष पाण्डेय ने मस्जिद पक्ष के वकीलों की अधिकारिता को लेकर कुछ आपत्तियां उठाई और दाखिल आपत्तियों का हवाला दिया। उन्होंने कहा था कि वाद की पोषणीयता पर ऑर्डर 7 रूल 11 की मस्जिद पक्ष की आपत्ति खारिज की जाए और सिविल वाद की सुनवाई की जाए। फिलहाल कल इलाहाबाद हाईकोर्ट में सूट नम्बर 5 और 15 पर सुनवाई होगी। माना जा रहा है कि जल्द ही सभी वादों पर सुनवाई पूरी होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट अपना फैसला सुरक्षित करेगा। मुस्लिम पक्ष ने दीवानी मुकदमे की पोषणीयता, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991, लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम आदि बिंदुओं पर अपनी बात रखी है। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद को लेकर दाखिल 18 मुकदमे की सुनवाई हाईकोर्ट में लगातार चल रही है।

इससे पहले की सुनवाई में क्या हुआ था

हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बहस की थी। कहा था कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि एक संरक्षित स्मारक है। यह राष्ट्रीय महत्व का स्मारक भी है इसलिए यह प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल अवशेष अधिनियम 1958 से संचालित होगा। नहीं लागू होंगे प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के प्रावधानहिंदू पक्ष के वकीलों ने बहस के दौरान कहा था कि ऐसी स्थिति में इस मामले में प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के प्रावधान लागू नहीं होंगे। उन्होंने कहा– पूजा–अर्चना हमारा मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि मुकदमा विचारणीय है। विचारणीय न होने की याचिका पर प्रमुख साक्ष्यों के बाद ही निर्णय लिया जा सकता है। इसलिए मुकदमे की पोषणीयता के संबंध में सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत प्रस्तुत अर्जियों को खारिज किया जाना चाहिए। इस मामले में अगली सुनवाई 7 मई को होगी। मुकदमे में मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि से शाही ईदगाह मस्जिद की संरचना हटाने के बाद कब्जे के साथ मंदिर की बहाली और स्थायी निषेधाज्ञा की मांग की गई है। हिंदू पक्ष का दावा–ईदगाह का ढाई एकड़ का एरिया भगवान का गर्भगृह मंदिर पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में दावा किया गया था कि ढाई एकड़ में बना शाही ईदगाह कोई मस्जिद नहीं है। मंदिर पक्ष के लोगों ने मंगलवार को बहस करते हुए तर्क दिया कि ईदगाह में केवल साल भर में दो बार नमाज पढ़ी जाती है जबकि मस्जिद में दिन भर में पांच बार नमाज होती है। शाही ईदगाह का पूरा ढाई एकड़ का एरिया भगवान का गर्भगृह है। सियासी षड्यंत्र के तहत ईदगाह का निर्माण कराया गया था। प्रतिवादी के पास कोई ऐसा रिकॉर्ड नहीं है। सीपीसी के आदेश सात नियम 11 इस वाद में लागू नहीं होता है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को आपघत्तियों को दाघखिल करने का समय दिया था। इससे पहले हाईकोर्ट ने मामले में अलग–अलग पक्षकारों को सुनने के बाद अपनी–अपनी आपघत्तियों को दाघखिल करने का समय दिया था। फिर सुनवाई को 30 अप्रैल तक के लिए टाल दिया गया था। भगवान श्रीकृष्ण विराजमान एवं कटरा केशव देव की ओर से दाघखिल कुल 18 वादों पर न्यायमूर्ति मयंक जैन की पीठ सुनवाई कर रही है। हिंदू पक्ष के वकीलों ने दलीलें पेश कर कहा कि शाही ईदगाह परिसर की जमीन मंदिर ट्रस्ट को दी जाए। उनका कहना है कि सालों पहले गलत समझौते के तहत शाही ईदगाह को जमीन दे दी गई थी।

मुस्लिम पक्ष पहले ही रख चुका है दलीलें

सुनवाई में ईदगाह पक्ष की तरफ से दीवानी मुकदमे की पोषणीयता, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991, लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम आदि बिंदुओं पर बहस हुई थी। मस्जिद पक्ष की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट तसनीम अहमदी, श्रीकृष्ण जन्मभूमि की ओर से एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बहस की थी।

अयोध्या विवाद की तर्ज पर सुनवाई : मथुरा के मंदिर में मस्जिद विवाद को लेकर दाखिल किए गए 18 मुकदमे की सुनवाई अयोध्या विवाद की तर्ज पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में हो रही है। मथुरा विवाद से जुड़े जिन 18 केस में हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। इनमें से दो मामलों में अब तक आपत्ति दाखिल नहीं की गई है। कोर्ट ने आपत्ति दाखिल करने के लिए समय दिया है। वाद संख्या 4 श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष पांडेय ने कहा कि शाही ईदगाह मस्जिद परिसर में स्थित श्रीकृष्ण कूप में वर्षों से बासोदा पूजा होती आ रही है। ऐसे में हिंदू पक्ष को पूजा का अधिकार दिया जाए।

हिंदू पक्षकार को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है

श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मस्जिद विवाद के पक्षकार आशुतोष पांडेय को इससे पहले कई बार धमकी मिली है। आशुतोष पांडेय श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट मथुरा के अध्यक्ष हैं। वह इलाहाबाद हाईकोर्ट में पैरवी को आए थे।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय (क0श्रे0) गर्वी इलाहबाद
उत्तराधिकार वाद सं0 94 सन 2024
श्रीमती अमिता श्रीवास्तव उम्र लगभग 56 वर्ष पत्नी विनय कुमार श्रीवास्तव पुत्री स्व0 मनराखन लाल नि0 ए - 404 संगम लिंक अपार्टमेंट अल्लापुर प्रयागराज।
...वादिनी
बनाम
1. **श्रीमती सविता श्रीवास्तव** उम्र 52 वर्ष पत्नी अनूप कुमार श्रीवास्तव पुत्री स्व. मनराखन लाल नि0 404 डी - 126 कस्तूरी नगर इफ्को टाउनशिप गाँधी नगर अहमदाबाद।
2. **श्रीमती सारिका श्रीवास्तव** उम्र लगभग 49 वर्ष पत्नी सुनील कुमार श्रीवास्तव पुत्री स्व. मनराखन लाल नि. 99/23/6 जी रामानंद नगर अल्लापुर प.व त. सदर प्रयागराज।
3. **श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव** उम्र लगभग 45 वर्ष पत्नी विजय भूषण श्रीवास्तव पुत्री स्व.मनराखन लाल नि. 99/23/6 जी रामानन्द नगर अल्लापुर प.व त. सदर प्रयागराज।
4. **श्रीमती सीमा श्रीवास्तव** उम्र 41 वर्ष पत्नी राहुल कान्त मिश्रा पत्नी स्व. मनराखन लाल नि. सी 51 केंद्रीय विहार सेक्टर 51 नोएडा गौतम बुद्ध नगर।
5. **सौरभ कुमार** उम्र 47 वर्ष पुत्र स्व. मनराखन लाल नि. 99/23/6 जी रामानन्द नगर अल्लापुर प.व त. सदर प्रयागराज।
...प्रतिवादीगण
चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 07 के 15 दिवस को 2 बजे पूर्वाह** में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया है।
ता.पेशी 15-07-2024
न्यायाधीश

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुझ श्रीमती शकीला बेगम बेवा स्व0 मो0 साबिर निवासिनी मकान नंबर ई0ई0-47 दूरवाणी नगर, ए0डी0ए0 नैनी, प्रयागराज के बेटे मो0 अफसर तथा मो0 अफजल उनकी पत्नियाँ श्रीमती हसीना बेगम उर्फ रुखसार व श्रीमती तरन्नुम बानो मुझे बहुत तकलीफ दे रहे हैं और अपमानित व प्रताडित करके मेरा जीवन हराम कर दिये हैं तथा मेरे निजी मकान ई0ई0-47 दूरवाणी नगर, ए0डी0ए0 नैनी, प्रयागराज को हड़प कर लेने व मुझे बेदखल कर देने पर आमादा हैं। मैं इन लोगों को उक्त मकान सहित अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ और इन लोगों का मेरी किसी चल व अचल सम्पत्ति में मेरे जीवनकाल में कोई हक-हिस्सा या कोई वास्ता-सरोकार नहीं रहेगा और इन लोगों द्वारा किसी से कोई लेनदेन किया जाये तो उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी।

श्रीमती शकीला बेगम
बेवा स्व0 मो0 साबिर
निवासिनी मकान नंबर ई0ई0-47
दूरवाणी नगर, ए0डी0ए0 नैनी, प्रयागराज।

संक्षिप्त

हुंदै ने चेन्नई में ईवी चार्जिंग स्टेशन किया स्थापित, तमिलनाडु में 100 सुविधाएं स्थापित करने की योजना

चेन्नई। वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने यहां अपने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) फास्ट चार्जिंग स्टेशन के उद्घाटन की सोमवार को घोषणा की। कंपनी के अनुसार, यह तमिलनाडु में ऐसी 100 सुविधाएं स्थापित करने की दिशा में उसका पहला कदम है। प्रसे विज्ञप्ति के अनुसार, 180 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग स्टेशन में 150 किलोवाट और 30 किलोवाट कनेक्टर शामिल हैं। यहां स्पेंसर प्लाजा में स्थापित किया गया है। यह ब्रांड तथा मॉडल से परे सभी चार पहिया वाहनों की जरूरतों को पूरा करेगा। एचएमआईएल के कार्यकारी निदेशक (कॉरपोरेट प्लानिंग) जे. वान स्यू के हवाले से विज्ञप्ति में कहा गया, '' भारत में एचएमआईएल के 28 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए चेन्नई में अपने पहले 180 किलोवाट फास्ट पब्लिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। हुंदै के ''मानवता के लिए प्रगति'' के दृष्टिकोण के अनुरूप हमारा लक्ष्य सभी ईवी उपयोगकर्ताओं की सुविधा बढ़ाना है। इसलिए हमारे चार्जिंग स्टेशन का इस्तेमाल कोई भी चार–पहिया ईवी उपयोगकर्ता कर सकता है।'' उन्होंने कहा, '' ईवी परिवेश को बढ़ाने और राज्य भर में ईवी अपनाने के लिए अधिक लोगों को प्रेरित करने के लिए एचएमआईएल ने समूचे तमिलनाडु में 100 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

सेंसेक्स ने रचा इतिहास, पहली बार 76,000 अंक के पार, निफ्टी सर्वकालिक शिखर पर पहुँचा

मुंबई। बीएसई सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को पहली बार 76,000 अंक को पार गया। एनएसई निफ्टी नए सर्वकालिक शिखर पर पहुंच गया। दोपहर के कारोबार के दौरान 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 599.29 अंक चढ़कर 76,009.68 अंक के सर्वकालिक शिखर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 153.7 अंक बढ़कर 23,110.80 के नए उच्च स्तर पर पहुंचा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो

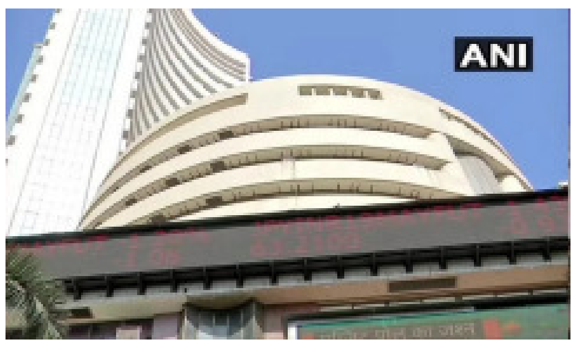

और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। विप्रो, एनटीपीसी, मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर को नुकसान हुआ। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82.23 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुक्रवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 944.83 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में बजट को नया रूप दिया : निर्मला सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने पिछले 10 वर्षों में केंद्रीय बजट को खर्चों के रिकॉर्ड से बदलकर समान वितरण के रणनीतिक खाके में तब्दील किया है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार करदाताओं के पैसे का सर्वोत्तम संभव इस्तेमाल करना जारी रखेगी... । उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अपनी बजट प्रथाओं और आंकड़ों में पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। पारदर्शी बजट वाले देशों को अक्सर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा अधिक अनुकूल रूप से देखा जाता है।

टी20 विश्व कप अभ्यास मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया के पास खिलाड़ियों की कमी : मिशेल मार्श

ऑस्ट्रेलिया बुधवार को नामीबिया और शुक्रवार को त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलेगा लेकिन उनके पास दो मैचों के लिए सिर्फ आठ खिलाड़ी उपलब्ध हो सकते हैं क्योंकि उनमें से अधिकांश आईपीएल प्ले ऑफ में खेलने के बाद ब्रेक लेंगे। पैर की मांसपेशियों की चोट से उबर रहे कप्तान मिशेल मार्श का भी नामीबिया के खिलाफ खेलना तय नहीं है।

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया को खिलाड़ियों की कमी का सामना करना पड़ रहा है और आईपीएल तथा टी20 विश्व कप के बीच कम समय के कारण अगले महीने होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट के अभ्यास मैचों में सहायक स्टाफ के सदस्यों को स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतारने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया बुधवार को नामीबिया और शुक्रवार को त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलेगा लेकिन उनके पास दो मैचों के लिए सिर्फ आठ खिलाड़ी उपलब्ध हो सकते हैं क्योंकि उनमें से अधिकांश आईपीएल प्ले ऑफ में खेलने के बाद ब्रेक लेंगे। पैर की मांसपेशियों की चोट से उबर रहे कप्तान मिशेल मार्श का भी नामीबिया के खिलाफ खेलना तय नहीं है। उन्होंने 'क्रिकेट.कॉम.एयू' से कहा, ''हमारे पास खिलाड़ियों की कमी होगी। लेकिन यह अभ्यास मैच है। जिन खिलाड़ियों को खेलने की जरूरत है वे खेलेंगे और हम फिर वहां से तय करेंगे।'' आईपीएल फाइनल रविवार रात कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, पैट कमिंस और मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिचेल मार्श खेले थे। इन तीनों के अलावा रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल इस हफ्ते के अंत में ही बारबडोस में विश्व कप टीम के साथ जुड़ेंगे जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए खेलने वाले मार्कस स्टोइनिस के भी नामीबिया के खिलाफ अभ्यास मैच के बाद ही त्रिनिदाद पहुंचने की उम्मीद है। रिजर्व खिलाड़ी जैक फ्रेजर–मैकगर्क और मैट शॉर्ट भी पांच जून को ओमान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के पहले टी20 विश्व कप मैच के बाद टीम से जुड़ेंगे। मार्श ने कहा, ''लचीला होना महत्वपूर्ण है। जो खिलाड़ी आईपीएल में रहे हैं, वे काफी क्रिकेट खेल रहे हैं। हमने उन्हें अपने परिवार से मिलने, तरोताजा होने और इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए अपने घर पर कुछ दिन बिताने को प्राथमिकता दी है।'' उन्होंने कहा, ''अंततः हम अपने 15 खिलाड़ी (सभी एक साथ) पा लेंगे लेकिन यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम उन्हें ब्रेक दें, भले ही यह घर पर केवल कुछ दिनों के लिए ही क्यों ना हो, यह वास्तव में महत्वपूर्ण है।'' आईसीसी के नियमों के अनुसार अभ्यास मैचों में मैदान पर उतरने वाले खिलाड़ियों को उसी देश से होना चाहिए जिसका वे प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसका मतलब है एंड्रयू मैकडोनाल्ड, ब्रैड हॉज, जॉर्ज बेली (सभी पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर) और आंद्रे बोरोवेक (पूर्व प्रथम श्रेणी विकेटकीपर) जैसे सहयोगी स्टाफ को मैदान पर उतरना पड़ सकता है। मार्श अपनी चोट पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ से परामर्श करने के लिए अप्रैल में पर्थ जाने से पहले दिल्ली कैपिटल्स के लिए सिर्फ चार आईपीएल मैच खेले थे। वह तब से नहीं खेले हैं और अभी तक गेंदबाजी फिर से शुरू नहीं की है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूयॉर्क पहुंची टीम इंडिया, नहीं दिखे विराट कोहली

रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम वेस्टइंडीज और यूएसए में अगले महीने से शुरू होने वाले आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूयॉर्क पहुंच गई है। इसी शहर में टीम इंडिया करीब दो सप्ताह तक रहेगी, क्योंकि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम को पहले तीन मुकाबले और वॉर्मअप मैच

न्यूयॉर्क में ही खेलने हैं। जबकि भारत अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून के महामुकाबला खेलेगा। न्यूयॉर्क के नए नवेले नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। करीब एक दर्जन खिलाड़ी न्यूयॉर्क पहुंच गए हैं जबकि बाकी खिलाड़ी जल्द ही यात्रा करेंगे। बीसीसीआई ने जो वीडियो शेयर किया है कि उसमें 10 ही खिलाड़ी ऐसे हैं, जो फाइनल 15 का हिस्सा हैं। 5 खिलाड़ी आईपीएल 2024 प्लेऑफ और निजी कारणों के चलते यूएसए नहीं गए हैं। जल्द ही बीसीसीआई बाकी पांच खिलाड़ियों और दो रिजर्व खिलाड़ियों न्यूयॉर्क भेजेगी। वहीं रिपोर्ट में सामने आया है कि बांग्लादेश के खिलाफ 1 जून को टीम इंडिया वॉर्मअप मैच खेलेगी जिसमें विराट कोहली नहीं खेलेंगे। कोहली देरी से न्यूयॉर्क पहुंचेंगे। हालांकि, 5 जून को खेले जाने वाले टीम इंडिया के पहले मैच के लिए वे उपलब्ध होंगे। जिसमें भारत आयरलैंड से भिड़ेगा। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, स्पिनर कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, सूर्यकुमार यादव, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल का नाम शामिल हैं। जबकि ट्रेवलिंग रिजर्व के तौर पर टीम में शामिल तेज गेंदबाज खलील अहमद और शुबमन गिल भी टीम के साथ न्यूयॉर्क पंहुचे हैं। अभी भी उपकप्तान हार्दिक पंड्या, विराट कोहली, संजू सैमसन, यशस्वी जायसवास, युजवेंद्र चहल का न्यूयॉर्क पंहुचना बाकी है। इसके आलावा रिंकू सिंह और आवेश खान ट्रेविलंग रिजर्व के तौर पर इनके साथ जाएंगे।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के मैच शेड्यूल

5 जून (बुधवार)– इंडिया वर्सेस आयरलैंड– न्यूयॉर्क में रात 8 बजे से

9 जून (रविवार)– इंडिया वर्सेस पाकिस्तान– न्यूयॉर्क में रात 8 बजे से

12 जून (बुधवार)– इंडिया वर्सेस यूएसए– न्यूयॉर्क में रात 8 बजे से

15 जून (शनिवार)– इंडिया वर्से कनाडा– न्यूयॉर्क में रात 8 बजे से

एमएस धोनी ने फिर बदला हेयरस्टाइल, अब नए लुक में आ रहे हैं नजर

एमएस धोनी ने फिर से अपना लुक चेंज किया है। इसके लिए धोनी मशहूर हेयरस्टाइलिस्ट आलिम हकीम के यहां पहुंचे थे। जहां, सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट ने धोनी की तस्वीर शेयर की। साथ ही ये भी बताया कि हेयर सेशन के दौरान धोनी ने सैलून में क्या–क्या एक्टिविटीज कीं। आलिम हकीम ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि सिक्रेटली धोनी हमारे सैलून पहुंचे जो कि अपने आप में एक बड़ा सरप्राइज था। बता दें कि, आईपीएल 2024 में चेन्नई प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई थी। जिसके बाद चेन्नई को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। उसके बाद एमएस धोनी आईपीएल से टीम के बाहर होने के बाद अपने घर रांची पहुंचे, कुछ वक्त बिताने के बाद वह मुंबई पहुंचे थे। आलिम हकीम ने एमएस धोनी की अपने सैलून में फोटो शेयर की है। इसमें धोनी गॉगल्स पहने हुए नए लुक में नजर आ रहे हैं। आलिम ने आगे लिखा है कि हेयर–सेशन के दौरान धोनी ने कुछ विंटेज म्यूजिक प्ले की और उसका जमकर लुत्फ उठाया। इसने हमारे दिन को और शानदार बना दिया। उन्होंने लिखा कि जिंदगी में कुछ दिन होते हैं जो हमेशा के लिए यादगार बन जाते हैं।

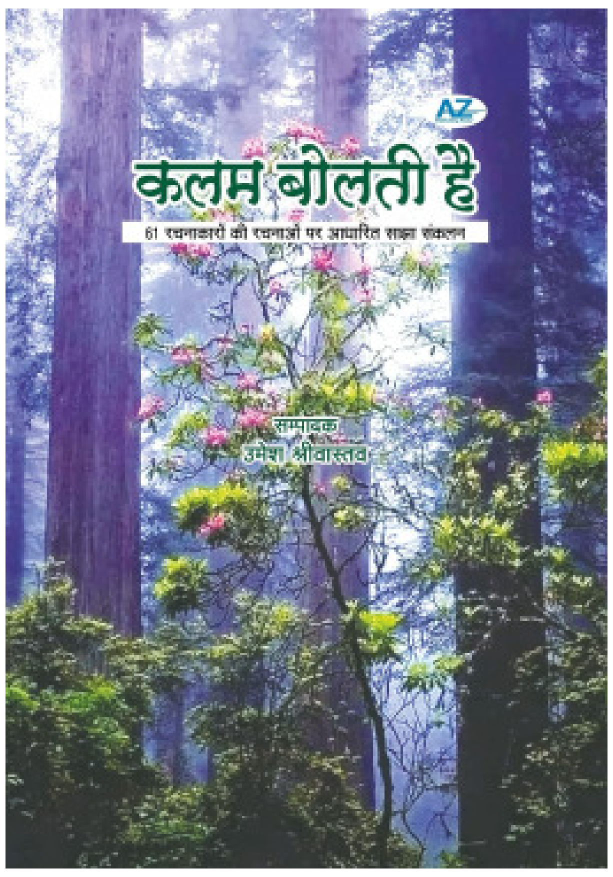

जनवरी–मार्च में आठ प्रमुख शहरों में 60 लाख रुपये तक कीमत के सस्ते घरों की आपूर्ति 38 प्रतिशत घटी

नयी दिल्ली। इस साल जनवरी–मार्च तिमाही के दौरान आठ प्रमुख शहरों में 60 लाख रुपये तक कीमत वाले सस्ते घरों की नई आपूर्ति 38 प्रतिशत घटकर 33,420 इकाई रह गई है। इसकी वजह यह है कि बिल्डर लक्जरी यानी महंगे फ्लैट बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रियल एस्टेट के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी प्रॉपइक्विटी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। प्रॉपइक्विटी ने कहा कि सस्ते घरों की आपूर्ति घटने की वजह जमीन और निर्माण की लागत बढ़ना है। इससे सस्ते घरों का निर्माण बहुत लाभ का सौदा नहीं रह गया है। प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के अनुसार, देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी–मार्च, 2024 के दौरान 60 लाख रुपये तक कीमत के घरों की नई आपूर्ति 33,420 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 53,818 इकाई थी। ये आठ शहर हैं – दिल्ली–एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, पुणे और अहमदाबाद। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023 के कैलेंडर साल के दौरान इस मूल्य श्रेणी में नई आपूर्ति में 20 प्रतिशत की गिरावट आई और गिरावट का रुझान इस साल की पहली तिमाही में भी जारी रहा। प्रॉपइक्विटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक समीर जसूजा ने कहा, '' देश के शीर्ष आठ शहरों में पेश की गई सस्ती आवासीय इकाइयों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। 2023 में 60 लाख रुपये से कम कीमत के सिर्फ 1,79,103 घर पेश किए गए।

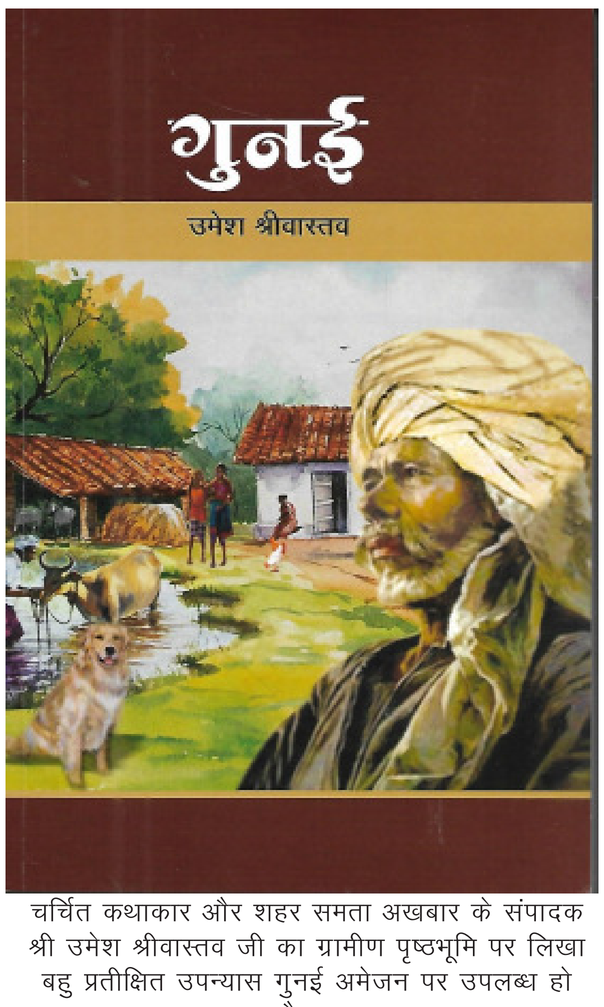

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

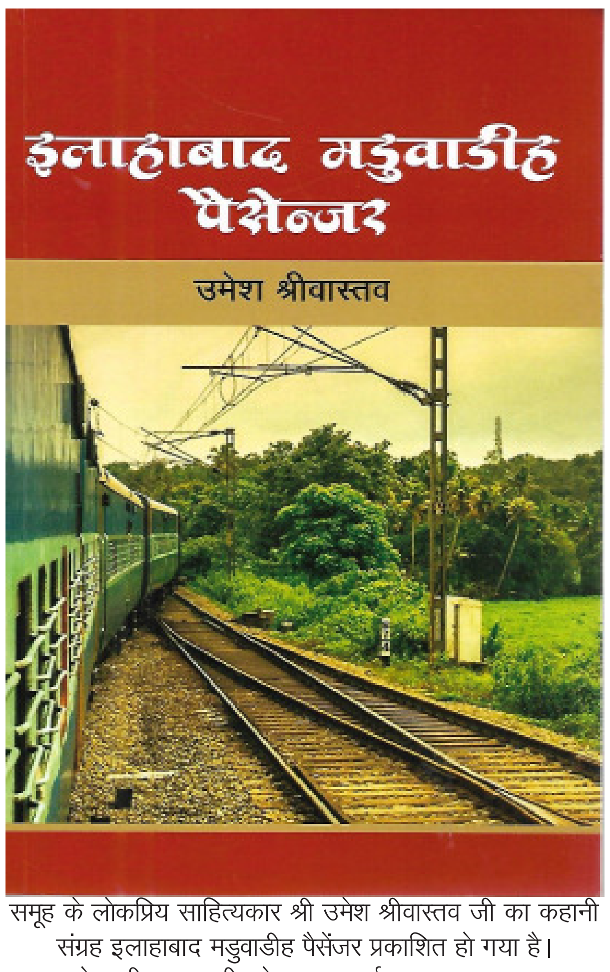

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

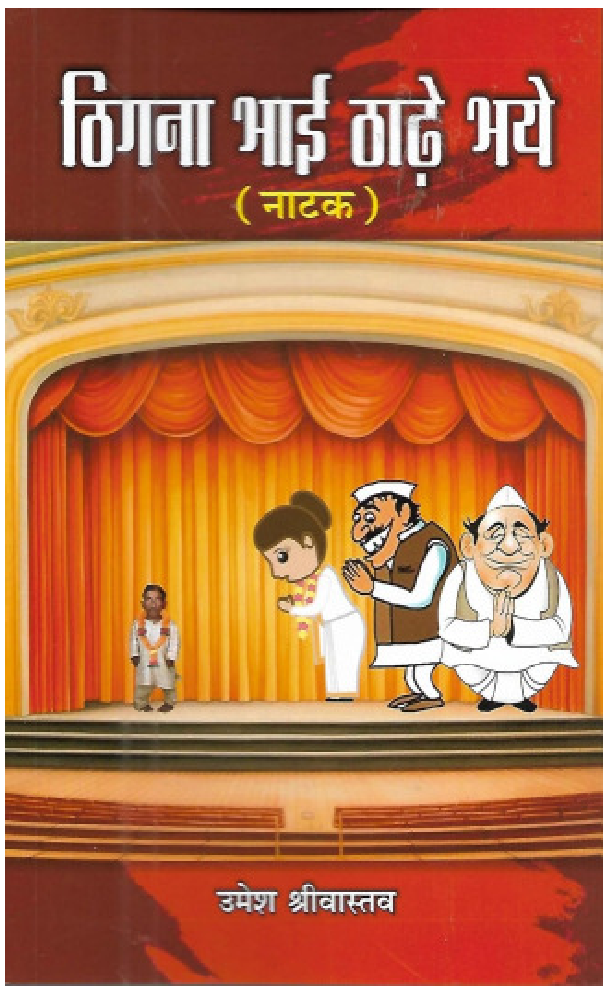

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

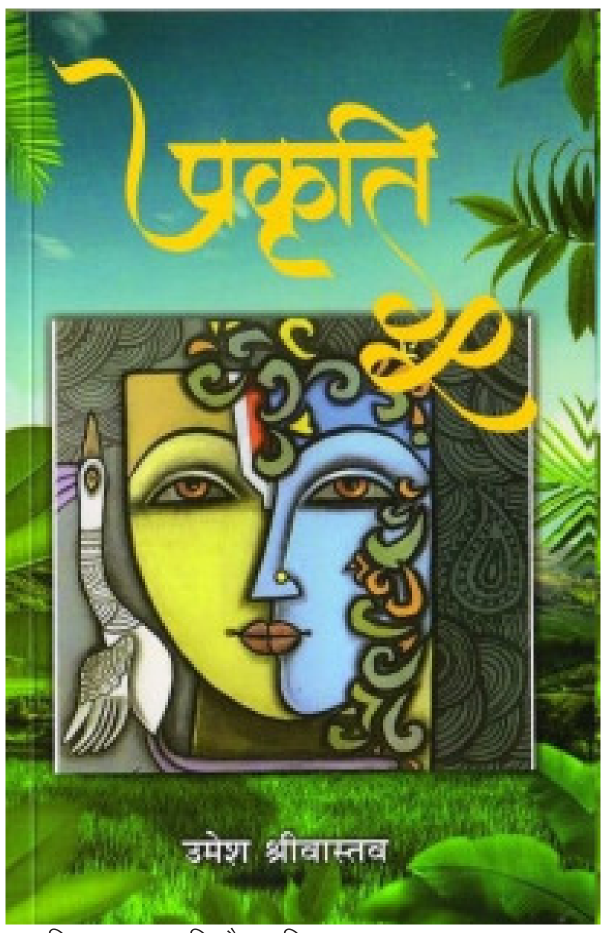

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह 'प्रकृति' लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

सम्पादकीय.......

अग्निपथ की तपिश

हालांकि मोदी सरकार अग्निपथ योजना को सशस्त्र बलों की गेम–चेंजर और युवा शक्ति के जरिये सेना की ताकत बढ़ाने वाली बताती रही है, लेकिन इस योजना के दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर सवाल गाहे–बगाहे उठते रहे हैं। यद्यपि जून 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना फिलहाल गहन विभागीय जांच के अधीन है, लेकिन विशेषकर, विपक्ष को यह मुद्दा आम चुनाव के दौरान रास आ रहा है। जिन इलाकों से ज्यादा युवा सेना में जाते रहे हैं उन इलाकों में कांग्रेस ने सरकार पर तीखे हमले इस योजना को लेकर किये हैं। दरअसल, इस योजना के अंतर्गत सिर्फ पच्चीस फीसदी अग्निवीरों की सेवाओं को बरकरार रखने का प्रावधान है। यही वजह है कि चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर सेवा से बाहर होने वाले अग्निवीरों का मुद्दा राजनीतिक हलकों में विवादास्पद रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस ने अपने आम चुनाव 2024 के घोषणापत्र में वायदा किया है कि वह सत्ता में आई तो इस योजना को खत्म कर देगी। साथ ही सेना, नौसेना व वायुसेना द्वारा अपनाई जाने वाली पुरानी भर्ती प्रक्रिया को पुनरू लागू करेगी। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहा था कि सरकार आवश्यकता पड़ने पर योजना में कोई भी बदलाव लाने को लिये तैयार है। इस बयान के कुछ सप्ताह बाद एक प्रमुख समाचार पत्र ने खबर दी है कि सेना भर्ती प्रक्रिया में अग्निवीर योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिये एक आंतरिक सर्वेक्षण कर रही है। यह भी कि अग्निवीरों, यूनिट कमांडरों और रेजिमेंटल केंद्रों के कर्मचारियों की राय मांगी जा रही है। फिर सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर सेना संभावित बदलावों के लिये अगली सरकार को सिफारिशें कर सकती है। हालांकि केंद्र सरकार आश्वासन देती रही है कि अग्निवीरों के रूप में शामिल किये गए युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्हें सरकारी व निजी क्षेत्रों में समायोजित करने में वरीयता देने तथा स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने की भी बात होती रही है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सरकार का ये वायदा 75 फीसदी रंगरूटों की नौकरी की संभावनाओं के बारे में आशंकाओं को दूर करने में विफल रहा है। कहा जा रहा है कि सेवा समाप्ति के बाद इन सेवानिवृत्त अग्निवीरों की रोजगार सुरक्षा दांव पर होगी। यही वजह है कि विपक्षी राजनीतिक दल, खासकर कांग्रेस इस नाराजगी का फायदा उठा रही है। पार्टी ने हरियाणा में इसे चुनावी मुद्दा बनाने की भरसक कोशिश की है। निस्संदेह, मौजूदा परिदृश्य में अग्निपथ की गहन समीक्षा आवश्यक है। सैनिकों की कार्यशील आयु कम कर एक सैन्य बल तैयार करने के मकसद को लेकर कोई किंतु–परंतु नहीं है। लेकिन इस योजना के दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में व्यापक बेरोजगारी व अल्प रोजगार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए निराश युवाओं के पुनर्वास के लिये सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में समायोजन के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। यद्यपि यह भी हकीकत है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीति का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। लेकिन सरकारों का भी दायित्व है कि सेना की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रयोगों से बचा जाए। वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों में ऐसे प्रयोग हुए हैं और सफल भी रहे हैं। लेकिन भारत जैसे देश जहां व्यापक बेरोजगारी है और पीढ़ी–दर–पीढ़ी सेना में भर्ती होने की गौरवशाली परंपरा रही है, उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। युवाओं के लिये सेना की नौकरी जीवन–यापन ही नहीं,विवाह का भी आधार होता है। जब तक उनकी गृहस्थी बसेगी, तब तक उनके रिटायर होने की स्थिति बनने लगेगी। यह असहज करने वाली स्थिति है। सेना के जोखिमों को देखते हुए जवानों की सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के प्रति स्थायित्व होना जरूरी है। निश्चित रूप से देश की सुरक्षा और अग्निवीरों के भविष्य में सामंजस्य बेहद जरूरी है। अन्यथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे लक्ष्य में भविष्य की अनिश्चितता जवानों की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकती है।

मौसम की मार, बढ़ते तापमान से दुनिया के सामने भयावह विनाश का खतरा

एजेंसी

भारत जैसे विकसित हो रहे देश में, जहां गाड़ियों और औद्योगिक इकाइयों का तेजी से विस्तार हो रहा है। घरों, दफ्तरों, निजी और सार्वजनिक वाहनों या फिर गोदामों आदि को जिस तरह वातानुकूलित बनाने पर जोर दिया जा रहा है, वैसी स्थिति में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना चुनौती बनता गया है।

यह जगजाहिर है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से वैश्विक ताप बढ़ रहा है। हर वर्ष तापमान में कुछ और बढ़ोतरी दर्ज होने लगी है। गर्मी का मौसम लंबा होने लगा है। सर्दी में भी गर्मी का असर दिखता है। दुनिया के बहुत सारे इलाके जो पहले बर्फ से ढंके रहते थे, लू के थपेड़े सहने को मजबूर हो चुके हैं। लू की वजह से लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। इसलिए हर वर्ष जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए आयोजित होने वाली बैठक में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के संकल्प लिए जाते हैं। मगर हकीकत यह है कि इस दिशा में कोई उल्लेखनीय नतीजा दर्ज नहीं हो पा रहा है। चिंता जताई जा रही है कि अगर तापमान में बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सेल्सियस से पार गया, तो दुनिया के सामने विनाश का भयावह मंजर नजर आने लगेगा। मगर इस संकल्प पर दृढ़ता से आगे बढ़ने की अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखती। अमीर देश कार्बन उत्सर्जन में कटौती की जिम्मेदारियां गरीब और विकासशील देशों के कंधों पर डाल कर इस समस्या से निजात पाने का सपना देख रहे हैं। छिपी बात नहीं है कि कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार वे देश हैं, जो औद्योगिक उत्पादन अधिक करते हैं, जहां जैव ईंधन का इस्तेमाल ज्यादा होता है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि जैव ईंधन के उपयोग में कटौती और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर अपनी निर्भरता बढ़ाएं। मगर ऐसा हो नहीं पा रहा। इसमें आम नागरिकों का भी योगदान अपेक्षित है। खासकर भारत जैसे विकसित हो रहे देश में, जहां गाड़ियों और औद्योगिक इकाइयों का तेजी से विस्तार हो रहा है। घरों, दफ्तरों, निजी और सार्वजनिक वाहनों या फिर गोदामों आदि को जिस तरह वातानुकूलित बनाने पर जोर दिया जा रहा है, वैसी स्थिति में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना चुनौती बनता गया है। ऊपर से बुनियादी ढांचे के विकास पर अधिक जोर होने की वजह से जंगलों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, पृथ्वी की सतह का बड़ा हिस्सा कंक्रीट से ढंकता गया है। ऐसे में कार्बन और गर्मी को अवशोषित करने के नैसर्गिक माध्यम सिकुड़ते गए हैं। लोग वातानुकूलित वातावरण में रहने के अभ्यस्त होते गए हैं, इसलिए तापमान सामान्य से थोड़ा भी बढ़ जाए तो उन्हें सहन नहीं हो पाता। मगर लोग इस समस्या से पार पाने में निजी

तौर पर कोई योगदान करते नजर नहीं आते। सलाह दी जाने लगी है कि जीवन–शैली में अगर पारंपरिक तौर–तरीके अपना लिए जाएं, तो वैश्विक ताप बढ़ने से काफी हद तक रोका जा सकता है। सरकारों का जोर चूंकि अर्थव्यवस्था के विकास पर है, इसलिए वे औद्योगिक उत्पाद और बाजार के विस्तार पर अधिक ध्यान केंद्रित करती हैं। मौसम की मार बढ़ने के पीछे अनेक वजहें हैं। भवन निर्माण से लेकर खानपान के संसाधनों तक में अब पारंपरिक शैली को त्याग दिया गया है। स्थानीय संसाधनों की जगह आयातित वस्तुओं का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जिनका मौसम से तालमेल नहीं बढ़ पाता। बिना सोचे–समझे वातानुकूलन और जरूरत के मुकाबले बेलगाम वाहनों और गैस संचालित कार्यों के बढ़ते प्रचलन से गर्मी का प्रकोप और बढ़ रहा है। इससे भवनों के भीतर का वातावरण तो जरूर ठंडा हो जाता है या कुछ सुविधाएं मिल जाती हैं, पर वातानुकूलन संयंत्रों से निकलने वाली गर्मी बाहर के वातावरण का तापमान काफी बढ़ा देती है। जलवायु में उथल–पुथल की जो हालत होती जा रही है, उसमें अब इस बात की जरूरत है कि विकास और पर्यावरण के बीच एक संतुलन कायम किया जाए। अन्यथा सुविधा कब मुसीबत बन जाएगी, कहा नहीं जा सकता।

चुनावी पारे पर भारी प्राकृतिक पारा

प्रेम शर्मा

अभी तक हमें केवल रेगिंस्तान में उबलती बालू और रेत का ही अन्दाजा था लेकिन हमने प्राकृति का इस कदर तक दोहन कर दिया कि अब शीत जलवायू के लिए प्रसिद्ध हिमाचल और उत्तराखण्ड भी भीषण गर्मी की चपेट में आ गए है। उत्तर भारत मे तो आग बरसती नजर आती है। एक तरफ देश में चुनावी पारे ने राजनेताओं के साथ जनता की नींद हराम कर रखी है तो इस पर प्राकृति के पारे ने उसके भाविष्य के लिए ऐसी चिन्ता की लकीर खीच दी है जिसे लेकर वैज्ञानिक तक चितिंत नजर आ रहे है। भारत के मैदानी इलाकों में तापमान बर्दाश्त से बाहर हो रहा है तो वहीं पहाड़ी इलाकों में भी स्थिति कोई बेहतर नहीं है। एक तरफ प्रचंड गर्मी से शहरों में तथा राजमार्गों पर दौड़ते वाहन अचानक ही धू–धूकर जलने लग रहे हैं जेनरेटर फट रहे हैं तो वहीं पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। यह चौंकने से ज्यादा जागने की बात है। वर्तमान दौर की गर्मी ने हिमाचल के कई हिल स्टेशन तक को पसीना–पसीना कर दिया है, तो यह स्थिति हमारी योजनाओं–परियोजनाओं की चुगली कर रही है। कंक्रीट के घनत्व में होता विकास और जीवन शैली की नव अदाओं में फंसा उपभोक्तावाद, हमारे जुर्म की स्वीकारोक्ति है। हिमाचल को अगर मौसम विभाग के नक्शे पर पढ़ा जाए, तो पर्यटन का यह सीजन एक अलग तरह की चेतावनी है। बेशक चढ़ती गर्मी ने पर्यटन की खुमारी बढ़ा दी है, लेकिन इसके भीतर की बीमारी नहीं समझी तो मुफ्त में बदनाम हो जाएंगे। हम अटल टनल के दोनों छोरों पर नाच कर किसे डरा रहे। एक हफ्ते में करीब तीन लाख पर्यटकों का जमावड़ा हमारी संगत का नशा है या इसकी धमक उन ग्लेशियरों से मुखातिब होगी जो पहले ही ऊना के चढ़ते पारे से खुद को बचाने के लिए हाय तौबा मचा रहे हैं। एक सप्ताह में 55 हजार के करीब वाहनों का द्वार बनी अटल टनल की हैरानी समझी जानी चाहिए।ट्रैफिक जाम की गर्मी में पर्यटक सीजन की नकारात्मक तस्वीर का एक पहलू यह कि शिमला, मनाली, मकलोडगंज, मंडी सहित अनेक डेस्टिनेशन परिवहन की त्रासदी बन चुके हैं। ऐसे में पांच करोड़ पर्यटकों के लक्ष्य में अस्सी फीसदी हिस्सा कल अगर गर्मियों में पहुंच गया, तो सारी व्यवस्था ठप हो जाएगी। भले ही जलवायु परिवर्तन के कारणों से दबा अलनीनो कमजोर होकर उत्तर भारत के तापमान को बढ़ा रहा है, लेकिन इसकी बदलती भूमिका में पहाड़ का दर्द बढ़ रहा है। हिमाचल जैसे राज्य के लिए हर ऋतु का नियमित व्यवहार अपेक्षित है, लेकिन आगे सरक रहे मौसम के व्यवहार ने अतिवादी रुख अपनाना शुरू किया है। मई के आरंभ तक सर्दी में दिन गिन रहे हिमाचल को अगर अब भयंकर गर्मी में उबलना पड़ रहा है, तो इसके साथ जुड़ी हिदायतों में स्थानीय निकायों की योजनाएं–परियोजनाएं नत्थी हैं। कृषि–बागबानी विभाग को नए सिरे से घुंघरू पहनने पड़े हैं, तो बरसाती इंतजामों की जद में एक नया चेतावनी सिस्टम खड़ा करना पड़ेगा। लगभग यही हाल उत्तराखण्ड जैसे ठण्डे क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। पिछली दिनों उत्तराखण्ड के जंगलों में उत्तराखंड में अप्रैल के पहले हफ्ते से लगी आग से अब तक 11 जिले प्रभावित हुए हैं। जंगलों की आग में झुलसने से 5 लोगों की मौत हो चुकी है और चार लोग गंभीर रूप से घायल है। आग से 1316 हेक्टेयर जंगल जल चुका है। सरकार के वकील सेठीरू आग के मामले में 350 आपराधिक केस दर्ज किए गए हैं, जिनमें 62 लोगों के नाम हैं।उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उत्तराखंड सरकार से कहा कि बारिश या कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) के भरोसे नहीं बैठा जा सकता। इसकी जल्द रोकथाम के उपाय करें। गर्मी, क्या पावर और क्या टावर, सबको जमीन दिखा देती है। अत्यधिक गर्मी से पारिस्थितिकी तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। वर्षाजनित नदियों का सूखना, धारों का खत्म होना, वनों की नवजात वनस्पति प्रजातियों का नुकसान भी इससे जुड़ा होता है। आज पारिस्थितिकी तंत्र या बिगड़ते पर्यावरण के लिए हमारे पास आर्थिकी की तर्ज में कोई पारिस्थितिकी पैकेज नहीं है। हर संकट के बाद दुश्वारियां भुला दी जाती हैं। बावजूद इसके कि गर्मी सबको रुला देती है। अब इसी बीते सप्ताह दिल्ली–एनसीआर की घटनाएं देखिए। खड़ी गाड़ियों में अगर आग लग जाती हो, डीजल के जेनरेटर फटकर बम बन जाते हों, तो भी कुछ समझ न सकना हमारी मूढ़ता की तरफ ही इशारा करता है। मौसम हमारे नियंत्रण से पूरी तरह दूर जा चुका है, मगर हम अभी भी वही समाधान तलाश रहे हैं, जो हमेशा से करते चले गए स यथा हम गर्मी में एसी चला देते हैं और जाड़ों में हीटर। दरअसल, हमारा तंत्र प्रकृति के तंत्र से अलग हो चुका है। आइपीसीसी की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि हर दशक में 0.26 डिग्री सेंटिग्रेड तापमान बढ़ा है।दुनिया की तमाम संस्थाएं इस तरह के अध्ययनों में लगी हैं, लेकिन दुर्भाग्य है कि ये अध्ययन हमारी समझ से बाहर रहे और सबसे बड़ी बात है कि ये सरकारों की विकास की योजनाओं में भी कहीं नहीं झलकते हैं। परिस्थितियां यह हैं कि वर्ष 2030 तक 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तापक्रम को कैप लगाने का जो निर्णय लिया गया था, वह अब बहुत दूर दिखाई देता है क्योंकि देश के कई इलाकों में तो 1.49 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान वृद्धि अभी से ही हमारे सामने है।बढ़ती कार्बन सांद्रता के कारण ग्लोबल वार्मिंग किसी भी हालत में रुकनी संभव ही नहीं होगी। अभी हम प्रचंड गर्मी झेल रहे हैं। इसके तत्काल बाद हम वर्षा या बाढ़ की आपदाओं को झेलेंगे। इसके बाद जब शीतकाल आएगा तो तापक्रम वह नहीं होगा जो कि जाड़ों का अहसास दिलाता हो। वर्ष का कोई भी ऐसा समय नहीं बचा जिसमें हम स्वयं को पर्यावरण के रूप में सुरक्षित समझ सकें, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अभी बहुत कुछ हमारे हाथ में होते हुए भी हम उस ओर कुछ नहीं कर रहे हैं। जिस यूरोप को हम शीतोष्ण स्थितियों के लिए जानते थे, वहां भी परिस्थितियां हमारी तरह उष्ण हो चुकी हैं। पंखे व एसी अब लंदन में भी चलते हैं। सूखा और फसलों का नुकसान तो है ही, साथ में पानी की बढ़ती कमी बड़े संकट के रूप में हमारे बीच में है। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक सब पानी के संकट से गुजर रहे हैं। पहाड़ जो पानी के लिए जाने जाते हैं, वहां भी गांव पानी के लिए तरसने शुरू हो चुके हैं। अब ऐसे में यह समझ बन जाए कि यह सब क्यों हो रहा है तो शायद हम में सुधार आए। आदतें और आराम हमें मार रहे हैं। हमने अपने लिए ऐसा जाल बना दिया है जो जान लेने में नहीं चूकेगा। यह जाल लगातार घना हो रहा है। इस मकड़जाल में फंसे हम मानव पृथ्वी के नहीं, केवल अपने अंत की तरफ चल चुके हैं!करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32–33 डिग्री रहता था, अब वह 47 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20–30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। कुल मिलाकर जिस तरह से दिन प्रतिदिन धरती का तापमान बढ़ रहा है वह मानव जीवन के विनाश के संकेत दे रहा है। चुनावी पारे से तो हमें धीमी मौत मिलेगी लेकिन जिस तरह से प्राकृति का पारा बढ़ रहा वह मानव जीवन के लिए भयानक मौत से कम नही होगा।

महिला तथा स्त्रियों के बचाव पर कठोर प्रयास की आवश्यकता

संजीव ठाकुर

यह देश का दुर्भाग्य ही है कि देश की राजधानी दिल्ली में राज्यसभा की महिला सांसद स्वाति मालीवाल की मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री के रहते हुए उनके निज सचिव द्वारा लात और घूंसों से पिटाई हो जाती है और तत्काल बड़ी कार्रवाई भी नहीं होती है। जब दिल्ली की तेज तर्रार पढ़ी–लिखी महिला सांसद की सुरक्षा व्यवस्था का यह हाल है आप तो आप कल्पना कर सकते हैं देश के अन्य क्षेत्रों की महिलाओं की सुरक्षा क्या परिदृश्य हो सकता है? इसके पीछे जो भी कारण हो पर घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके अलावा देश में अनेक महत्वपूर्ण महिलाओं के विरुद्ध भी इसी तरह की प्रताड़ना की खबरें रोज हम समाचार पत्रों में पढ़ते हैं और शासन, प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन की धीमी करवाई महिलाओं की सुरक्षा के मानव अधिकारों के हनन की स्थिति की विडंबना पर कई चिंतनीय प्रश्नों को जन्म देती है। महिला तथा अबोध बच्चों की सुरक्षा पर कठोर नियम बनाने की आवश्यकता है अन्यथा ऐसी शर्मनाक घटनाओं की पुनरावृति बार बार हो सकती है। महिला मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने की बढ़ती हुई आवश्यकता सीधे शिक्षा तथा जागृति से जुड़ी हुई हैस इसके बिना न तो व्यक्तित्व का विकास संभव है और ना ही जीवन यापन की किसी भी पक्ष की अंतर्निहित प्रक्रिया ही पूरी होती दिखाई दे रही हैस मानवाधिकार के अभाव में जनतंत्र और लोकतंत्र की कल्पना ही निरर्थक है। महिला शिक्षा तथा जागरूकता के अभाव में देश में सर्वाधिक मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं की शिकार महिलाएं तथा बच्चे ही हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठन ऑफ ह्यूमन राइट्स वॉच की लगभग 175 देशों में मानवाधिकार की स्थिति का जायजा लेने वाली रिपोर्ट में भारत के संदर्भ में कहा गया है कि यहां महिलाओं तथा बच्चों आदिवासियों के मानव अधिकार से जुड़ी समस्याएं बहुत ज्यादा विकट विकृत और विकराल है। मानवाधिकार के बारे में जानकारी सीधे–सीधे किसी भी देश की शिक्षा, संस्कृति से जुड़ा हुआ सवाल है। देश के बहुत बड़े भूभाग में जहां आदिवासी और उनकी महिलाएं तथा बच्चे निवास करते हैं, वहां शिक्षा के अभाव में मानवाधिकार की कल्पना भी करना एक दुष्कर कार्य है। मानवाधिकार का संदर्भ सीधा सीधा किसी भी देश के शैक्षिक स्तर से जुड़ा हुआ है। भारत देश में मानवाधिकार संरक्षण इसलिए भी काफी पिछड़ा है क्योंकि सभी जिलों में मानव अधिकार आयोग एवं मानवाधिकार संबंधी जागरूकता का ना होना है,और नागरिकों का शिक्षा के प्रति लगाओ ना होना ही है। मानवाधिकार मूलभूत अधिकार हैं। मानवाधिकार के अंतर्गत जीवन जीने का अधिकार शिक्षा का अधिकार, जीविकोपार्जन का अधिकार ,वैचारिक स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, निजता का अधिकार, जैसे मूलभूत अधिकार शामिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व के अधिकांश देशों में अधिकार संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदान किए गए हैं।भारत में भी संविधान के भाग 3 के अनुच्छेद 14 से लेकर 35 तक नागरिकों को विभिन्न प्रकार के अधिकार दिए गए हैं। पूरे विश्व में मानवाधिकार को सुरक्षित सुरक्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमनेस्टी इंटरनेशनल एक संस्था है जिसका मुख्यालय ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित है। वैसे तो मानवाधिकार की अवधारणा के इतिहास बहुत पुराना है। पर नवीन संदर्भों में इसकी अवधारणा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित हुई है। वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकृत किया था। मानव अधिकार का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों में जैसे मनुस्मृति, हितोपदेश, पंचतंत्र, प्राचीन यूनानी दर्शन आदि में भी मिलता है। 1215 में इंग्लैंड में जारी किए गए मैग्नाकार्टा में नागरिक अधिकारों का विस्तृत उल्लेख तथा वर्णन है, पर उन अधिकारों को मानवाधिकार की संज्ञा नहीं दी जा सकती है। बहुत महत्वपूर्ण 1789 में फ्रांस की क्रांति के बाद वहां की राष्ट्रीय सभा ने नागरिकों के अधिकारों की घोषणा की थी। फल स्वरूप विश्व में समानता उदारता बंधुत्व के विचारों को बल मिलना शुरू हुआ, 19वीं शताब्दी में ब्रिटेन एवं अमेरिका में दास प्रथा की समाप्ति के लिए कानून बने। बीसवीं शताब्दी के आते–आते मानव अधिकारों को लेकर कई विश्वयापी सामाजिक परिवर्तन हुए जिसके अंतर्गत बालश्रम का विरोध एवं विभिन्न देशों में महिलाओं को चुनाव में मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ। 1864 में जेनेवा समझौता से अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सिद्धांतों को ताकत प्राप्त हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानव अधिकार को मान्यता प्राप्त हुई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मानव अधिकार संरक्षण संस्था बनी जो पूरे विश्व में अलग–अलग देशों में होते मानव अधिकार उल्लंघन पर नियंत्रण रखती है पर ऐसा कुछ नहीं है। जो शक्तिशाली व्यक्ति है, राष्ट्र है, वह अपनी मनमानी करता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ और मानव अधिकार आयोग मूकदर्शक बना रहता है । इसका सबसे ताजा उदाहरण इजरायल का लगातार हमास और फिलिस्तीन पर भयानक हमले और अफगानिस्तान पर तालिबानी आतंकवादियों का कब्जा है, अमेरिका,अफगानिस्तान छोड़कर चला गया। और अफगानिस्तान पर बर्बर युग की वापसी के साथ तालिबानी आतंक को अफगानिस्तान की जनता बुरी तरह झेल रही है। एवं महिलाएं तथा बच्चे हर स्तर पर अपमानित प्रताड़ित हो रहे हैं। ना तो संयुक्त राष्ट्र संघ कुछ कर पा रहा है, और ना ही मानव अधिकार आयोग।अफगानिस्तान की आवाम ने पूरी दुनिया से गुहार लगाकर अपनी जान बचाने की अपील की थी,पर वे अभी भी तालिबानियों का आतंक रहने पर मजबूर हैं। पाकिस्तान के कारागृह में मौत की सजा काट रहे भारतीय कैदी सरबजीत सिंह पर वही के कैदियों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने पर उनकी मृत्यु हो गई मानव अधिकार आयोग चुप था। म्यानमार में भी मानवाधिकारों के उल्लंघन की खुली घटनाएं देखी गई, मानव अधिकार आयोग शांत है। पर ऐसा भी नहीं है कि हम मानव अधिकार नियमों तथा आयोग के प्रति एकदम निराश हो जाएं। मानवाधिकार की धाराएं अच्छी एवं सशक्त हैं। मानवाधिकार के संदर्भ में जो संविधान बने हैं, उसमें किसी को भी गुलाम या दासता की हालत में ना कि नहीं रखा जा सकता, किसी को न तो शारीरिक प्रताड़ना नहीं दी जा सकती है। ना ही किसी के प्रति अमानुषिक एक अपमानजनक व्यवहार किया जा सकता है। ऐसा किया जाता है और संविधान की धारों में प्रावधान होता है जो कड़ी से कड़ी सजा दे सकता है। मानवीय मूल्यों और संविधान के संदर्भ में हमें आशावादी दृष्टिकोण अपनाकर ज्यादा से ज्यादा कानून पर विश्वास रख, इन घटनाओं को रोकना चाहिए। भारत में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन 1993 में किया गया था। मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं पर जांच एवं सजा का प्रावधान भी रखा गया है। वस्तुतः शिक्षा के साथ मानव अधिकार संविधान के बारे में भी आम जन को हमें ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने की आवश्यकता होगी।

दीपिका के लुक पर फिदा हुए रणवीर सिंह, कहा-बुरी नजर वाले तेरा मुंह काला

एक्टर रणवीर सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी व एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की कई फोटो शेयर की, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की गई फोटो में दीपिका येलो कलर के स्लीवलेस गाउन में नजर आ रही हैं। उन्होंने बहुत कम मेकअप किया है और बालों का बन बनाया। इस लुक में उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी का ग्लो साफ नजर आ रहा है। पहली तस्वीर में रणवीर ने कैप्शन में लिखा–माई सनशाइन, दूसरी तस्वीर में उन्होंने लिखा–उफ्फ!, क्या करूं मैं, मर जाऊं?' वहीं तीसरी तस्वीर में रणवीर ने लिखा, बुरी नजर वाले तेरा मुंह काला। इस कपल ने नवंबर 2018 में इटली में पारंपरिक कोंकणी और सिंधी दोनों रीति रिवाजों से शादी की थी। कपल ने फरवरी 2024 में प्रेग्नेंसी का ऐलान किया। दोनों के वर्कफ्रंट की बात करें तो, दीपिका और रणवीर दोनों अपकमिंग फिल्म सिंघम अगेन में साथ में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन रोहित शेट्टी कर रहे हैं। इसमें अजय देवगन, करीना कपूर, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर लीड रोल में हैं। इस फिल्म के सेट से दीपिका की बेबी बंप वाली तस्वीरें काफी वायरल हुई थी। दीपिका के पास कल्कि 2898 एडी भी है। इसमें अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास और दिशा पाटनी अहम रोल में है। वहीं, रणवीर के पास डॉन 3 है।

> “ पहली तस्वीर में रणवीर ने कैप्शन में लिखा-माई सनशाइन, दूसरी तस्वीर में उन्होंने लिखा-उफ्फ!, क्या करूं मैं, मर जाऊं?' वहीं तीसरी तस्वीर में रणवीर ने लिखा, बुरी नजर वाले तेरा मुंह काला। इस कपल ने नवंबर २०१८ में इटली में पारंपरिक कोंकणी और सिंधी दोनों रीति रिवाजों से शादी की थी।

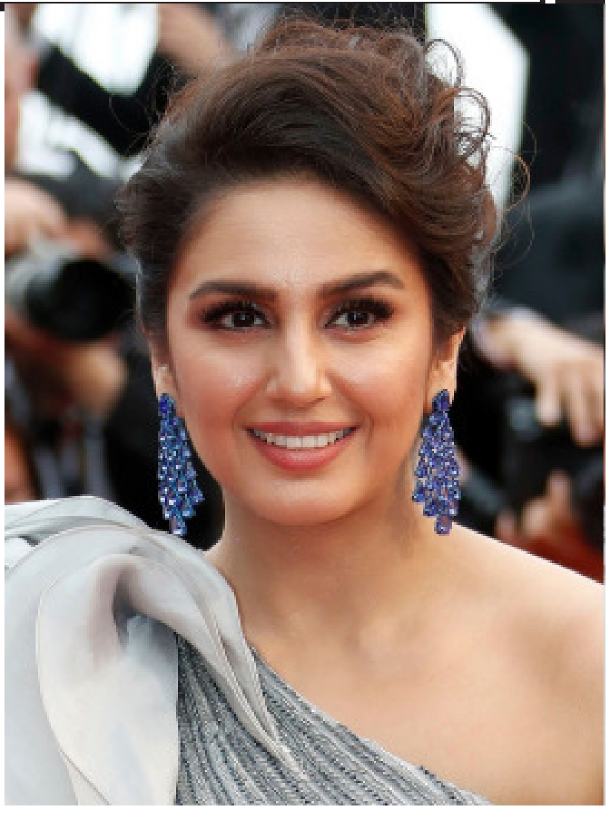

हुमा ने कंपनियों से किया आग्रह, छोटी फिल्मों का करें समर्थन

अभिनेत्री हुमा कुरैशी को उम्मीद है कि ब्रांड और कंपनियां ऐसे लोगों को कान्स फिल्म महोत्सव में भेजेगी जो छोटी और स्वतंत्र फिल्मों का समर्थन करते हैं बजाय उन लोगों को जिनका फिल्मों से कोई लेना–देना नहीं है। हुमा की यह टिप्पणी अनसूया सेनगुप्ता के अन सर्टेन रिगार्ड सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनने और पायल कपाड़िया की ऑल वी इमेजिन एज लाइट को 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रां प्री जीतने के बाद आई है। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोर पर श्ऑल वी इमेजिन एज लाइट टीम की एक तस्वीर साझा की, जिसे कान्स फिल्म फेस्टिवल के दूसरे सबसे बड़े पुरस्कार ग्रां प्री से सम्मानित किया गया है। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया, "आप सभी पर बहुत गर्व है पायल कपाड़िया, कंटारी कनमानी, दिव्या प्रभा, छाया कदम। उम्मीद बरकरार है। इसके बाद हुमा ने एक पोस्ट लिखा, जिसमें कहा, कान फिल्म फेस्टिवल एक फिल्म फेस्टिवल है जहां कला का जश्न मनाया जाता है। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि इनमें से कुछ ब्रांड,कंपनियां सैकड़ों डॉलर खर्च कर ऐसे लोगों को भेजेगी जो छोटी और स्वतंत्र फिल्में बनाते हैं, बजाय इसके कि जिनका फिल्मों से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा, "मुझे वास्तव में उन सभी अविश्वसनीय महिलाओं पर बहुत गर्व है जिन्होंने देश का मान बढ़ाया है! उन्हें और अधिक ताकत मिले।

करण जौहर ने सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत धड़क 2 की घोषणा की

> “ करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एक नई फिल्म की घोषणा की, जिसका निर्माण उनकी होम प्रोडक्शन धर्मा मूवीज करेगी। धड़क २ नाम की इस नई घोषित फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में होंगे।

करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एक नई फिल्म की घोषणा की, जिसका निर्माण उनकी होम प्रोडक्शन धर्मा मूवीज करेगी। धड़क 2 नाम की इस नई घोषित फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में होंगे। इस फिल्म का निर्देशन शाजिया इकबाल करेंगी। इसके अलावा, करण ने घोषणा के साथ एक वीडियो भी साझा किया जो शायद इस फिल्म की थीम के बारे में संकेत देता है। करण ने इंस्टाग्राम पर एक अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया है। कैप्शन में लिखा– यह कहानी थोड़ी अलग है क्योंकि एक राजा था, एक रानी थी – जाति अलग थी... कहानी ख़त्म। धड़क 2 22 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें, जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर की फिल्म धड़क 2016 में रिलीज हुई थी। यह मराठी फिल्म सैराट का हिंदी रीमेक थी। इस फिल्म ने जान्हवी कपूर का बॉलीवुड डेब्यू भी किया और दुनिया भर में 110.11 करोड़ से अधिक की कमाई के साथ व्यावसायिक सफलता के रूप में उभरी। धड़क का निर्देशन हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया मशहूर फिल्म निर्माता शशांक खेतान ने किया था।

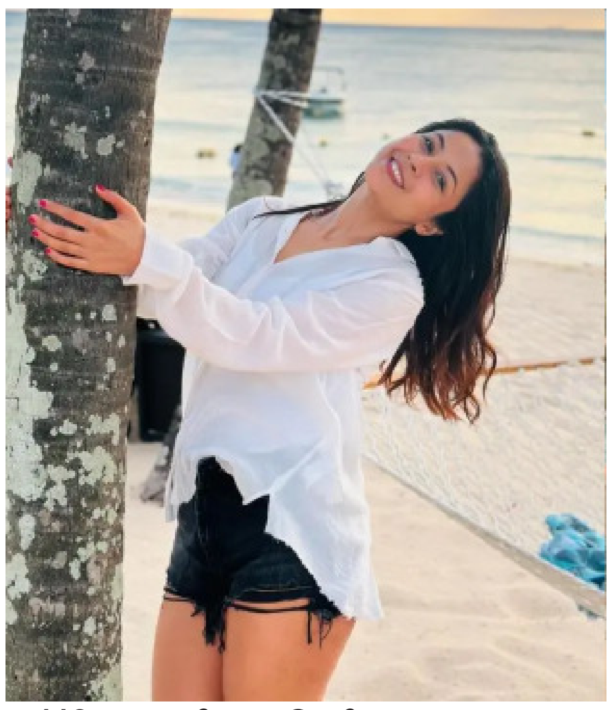

मॉरीशस में छुट्टियों का आनंद ले रहीं शहनाज गिल, ऐ उड़ी उड़ी गाने पर थिरकीं

अभिनेत्री शहनाज गिल फिलहाल मॉरीशस में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। उन्होंने छुट्टियों की एक झलक साझा की है। शहनाज ने इंस्टाग्राम पर अपने रिसॉर्ट से एक वीडियो शेयर किया है। अभिनेत्री को काले शॉर्ट्स के साथ सफेद शर्ट में समुन्दर किनारे चलते हुए और फिर पानी से खेलते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में फिल्म साथिया का गाना श्ऐ उड़ी उड़ी बज रहा है। वीडियो के अंत में शहनाज ने समुन्दर की एक झलक साझा की। अभिनेत्री ने गाने के बोल के साथ वीडियो को कैप्शन दिया ऐ उड़ी उड़ी... ऐ ख्वाबों की बुरी'' । यह गाना मूल रूप से अभिनेत्री रानी मुखर्जी और विवेक ओबेरॉय पर फिल्माया गया था और इसे संगीतकार अदनान सामी ने गाया है। 2002 में रिलीज हुई 'साथिया' का निर्देशन शाद अली ने किया था। यह एक ऐसे जोड़े के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपने माता–पिता के भारी विरोध के बावजूद भाग कर शादी कर लेते हैं। हालांकि, उनकी रोमांस भरी दुनिया में बाद में दरारें आ जाती हैं। शहनाज ने 2015 में म्यूजिक वीडियो शिव दी किताब से पंजाबी शोबिज इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू किया। इसके बाद वह 2016 में माझे दी जट्टी और शपिंडन दियां कुड़ियां में नजर आईं। 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म सत श्री अकाल इंग्लैंड से अभिनय की शुरुआत की। हालांकि, 2019 में बिग बॉस के 13वें संस्करण के बाद उनके जीवन में एक नया मोड़ आया। वह सोशल मीडिया सनसनी बन गईं और तब से उन्होंने शकिसी का भाई किसी की जान और थैंक यू फॉर कमिंग जैसी फिल्मों में एक्टिंग की है।

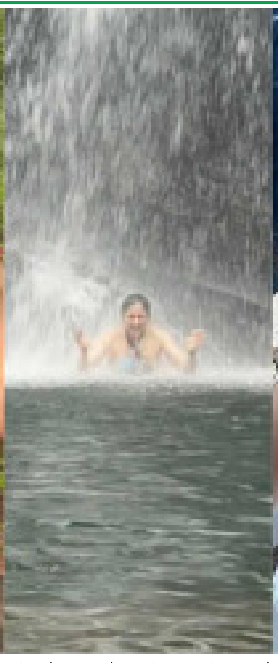
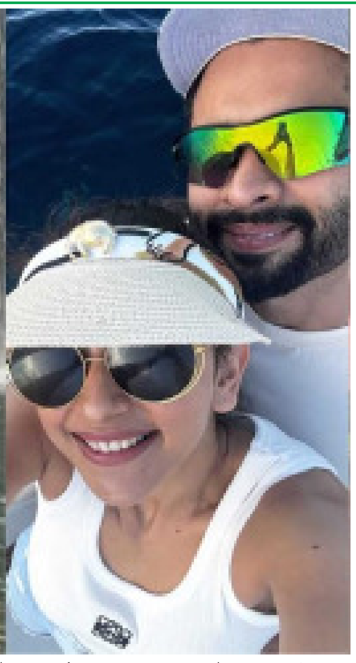

रकुल प्रीत ने नारियल पानी पीने का अनोखा तरीका किया शेयर

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपने पति व फिल्ममेकर जैकी भगनानी के साथ फिजी में वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए नारियल पानी पीने का एक अनोखा तरीका शेयर किया। रकुल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में उन्होंने ऑरेंज कलर की शर्ट के साथ ब्लू शॉर्ट्स पहने। वह स्ट्रॉ का इस्तेमाल किए बिना नारियल पानी पीते दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, क्या आपने इस तरह से नारियल पानी पीया है? इसके अलावा, रकुल ने एक फोटो भी शेयर की, जिसमें वह झरने के नीचे नहाती हुई नजर आ रही हैं। वहीं, जैकी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रकुल के साथ एक सेल्फी भी शेयर की, जिसमें दोनों एक नाव पर खड़े नजर आ रहे हैं। दोनों ने 21 फरवरी को गोवा में शादी की थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो, रकुल के पास मेरी पत्नी का रीमेक और इंडियन 2 प्रोजेक्ट हैं। प्रोड्यूसर के तौर पर जैकी का पिछला प्रोजेक्ट अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर बड़े मियां छोटे मियां था। वह जल्द ही फिल्म सूर्यपुत्र महावीर कर्ण और मिशन लायन को प्रोड्यूस करेंगे।

तपती गर्मीयों में लंबे समय तक फ्रेश रहेंगी हरी सब्जियां, बस ऐसे करें स्टोर

तपती हुई गर्मी के प्रकोप से जहां लोग बेहाल हो रहे हैं, वहीं हरी धनिया, पुदीना और अन्य सब्जियों की भी देखभाल आसान नहीं है। गर्मी की तपिश के चलते वो जल्दी सुख जाती हैं। कई बार इसके चलते पैसे भी बर्बाद होते हैं, क्योंकि खराब हुई सब्जी फेंकनी पड़ती है। लेकिन अब आपको ऐसा नहीं करना पड़ेगा। आज इस स्टोरी में हम आपको बताएंगे गर्मी में लंबे समय तक हरी सब्जी को फ्रेश रखने के टिप्स...

सूती कपड़ा आएगा काम

अगर आप चाहते हैं कि हरी सब्जियां इस भीषण गर्मी में न सूखें तो घर पर कहीं पड़े सूती कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले हरी सब्जी को नमी को कपड़े से खत्म कर लें। उसके बाद सूती कपड़े को ताजा पानी में भिगोकर पुदीना या दूसरी हरी सब्जी को रखकर कपड़े से ढक दें। कहीं हवादार जगह पर ही रखें, जहां सूर्य की सीधी किरणें न आती हो। इससे स्वाद से भरपूर हरी साग सब्जियां हफ्ते दिनों तक ताजी रहेंगी।

पेपर टॉवल का करें इस्तेमाल

ये बाजार में मिलने वाली खुरदरा, मुलायम और थोड़ा सा मोटा एक पेपर होता है। इन गर्मी के दिनों में पेपर टॉवल से सब्जियों को हरा–भरा रखा जा सकता है। इसमें लपेटकर ऊपर से पानी के छींटे दे दे तो हरी सब्जियां लगभग 1 सप्ताह तक सुरक्षित रहती हैं।

इस बात का रखें खास ख्याल

अगर हरी सब्जियां या अन्य किसी भी सामग्री को हरा–भरा रखने के लिए उक्त नियमों को फॉलो कर रहे हैं तो उसमें एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सूती कपड़ा या पेपर टॉवल में रखने से पहले उसमें से जैसे सड़ी हुई पत्तियां और पीली पत्तियां जैसे खराब भाग को निकाल कर फेंक दें, नहीं तो ये धीरे– धीरे पूरी सामग्री को सड़ा देता है।

गर्मियों में खाने के साथ सर्व करें ये अलग-अलग तरह की लस्सी, आएगा दोगुना मजा

गर्मी का मौसम आते ही हमारा खान–पान भी बदल जाता है। इस मौसम में हम ऐसे फूड आइटम्स को शामिल करते हैं, जो ठंडक भी प्रदान करें और सेहत के लिए भी अच्छे हों। इस लिहाज से चिलचिलाती गर्मी में लस्सी पीना काफी अच्छा माना जाता है। यह बॉडी को हाइड्रेट करने में मदद करता है। साथ ही साथ, प्रोबायोटिक होने के कारण यह गट हेल्थ के लिए भी काफी अच्छा है। अमूमन हम सभी एक ही तरह से लस्सी बनाकर पीते हैं। लेकिन अगर आप अपने टेस्ट बड को हर बार एक अलग टेस्ट देना चाहते हैं तो ऐसे में आप अलग–अलग तरह की लस्सी बनाकर पीएं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको गर्मी के कई तरह की लस्सी बनाने के बारे में बता रहे हैं–

नारियल लस्सी

गर्मी के मौसम में आप नारियल लस्सी बना सकते हैं। इसके लिए आपको नारियल और दही को एक साथ ब्लेंड करना होगा। नारियल की लस्सी बनाने के लिए दही, नारियल दूध और थोड़ी सी चीनी या गुड़ को डालकर ब्लेंड करें। अब आप इस लस्सी को एक गिलास में डालें। आप इसके ऊपर सूखे मेवे डाल सकते हैं। इससे लस्सी का टेस्ट और भी ज्यादा बढ़ जाएगा।

मैंगो लस्सी

गर्मी के मौसम में आम को कई अलग–अलग तरीकों से लोग डाइट में शामिल करते हैं। आम की मदद से लस्सी भी बनाई जा सकती है। मैंगो लस्सी का क्रीमी टेक्सचर होता है। साथ ही, इसे दुनिया भर में पीना लोग काफी पसंद करते हैं। जब दही को आम के साथ मिलाया जाता है, तो आपको एक बेमिसाल स्वाद मिलता है। मैंगो शेक के अलावा मैंगो लस्सी गर्मियों में सबसे ज्यादा पी जाती है।

पुदीना लस्सी

अगर आप अपनी लस्सी को एक बेहद ही रिफ्रेशिंग टेस्ट देना चाहते हैं तो ऐसे में पुदीना लस्सी भी बनाई जा सकती है। इसे बनाने के लिए दही को पुदीने की पत्तियों और गुड़ के साथ मिला लें। आप इस लस्सी के ऊपर ताज़ी पुदीने की पत्तियां और सूखे मेवे डालें। यह पीने में लाजवाब होती है।

रोज़ लस्सी

गर्मी के मौसम में रोज़ लस्सी आपके टेस्ट बड के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। लस्सी की इस क्लासिक रेसिपी को बनाने के लिए आप रोज़ सिरप या एसेंस का इस्तेमाल कर सकते हैं। दही के साथ गुलाब का कॉम्बिनेशन बेहद ही अच्छा लगता है। आप रोज़ लस्सी को सर्व करने से पहले ताज़ी गुलाब की पंखुड़ियों से सजाएं।

औषधीय गुणों से भरपूर है तुलसी, कई रोगों में लड़ ने में करती है सहायता

तुलसी के पौधे की हिन्दू धर्म में बहुत मान्यता है। हम इसे पवित्र मानते हैं और इसकी पूजा भी करते हैं। आप लेकिन क्या जानते हैं कि तुलसी न सिर्फ आस्था का प्रतीक है बल्कि यह औषधीय गुणों से भी भरपूर है। तुलसी की मदद से कई तरह की सेहत से जुड़ी परेशानियों को मिनटों में खत्म किया जा सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि तुलसी का कोई साइड इफेक्ट नहीं है और इसका उपयोग किसी भी उम्र का व्यक्ति कर सकता है। इसी के साथ चलिए जानते हैं तुलसी से मिलने वाले फायदों के बारे में खास –

1. यौन रोगों के इलाज में

पुरुषों में शारीरिक कमजोरी होने पर तुलसी के बीज का इस्तेमाल काफी फायदेमंद होता है. इसके अलावा यौन–दुर्बलता और नपुंसकता में भी इसके बीज का नियमित इस्तेमाल फायदेमंद रहता है।

2. अनियमित पीरियड्स की समस्या में

अक्सर महिलाओं को पीरियड्स में अनियमितता की शिकायत हो जाती है। ऐसे में तुलसी के बीज का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है। मासिक चक्र की अनियमितता को दूर करने के लिए तुलसी के पत्तों का भी नियमित किया जा सकता है।

3. सर्दी में खास

अगर आपको सर्दी या फिर हल्का बुखार है तो मिश्री, काली मिर्च और तुलसी के पत्ते को पानी में अच्छी तरह से पकाकर उसका काढ़ा पीने से होता है। आप चाहें तो इसकी गोलियां बनाकर भी खा सकते हैं।

4. दस्त होने पर

अगर आप दस्त से परेशान हैं तो तुलसी के पत्तों का इलाज आपको फायदा देगा। तुलसी के पत्तों को जीरे के साथ मिलाकर पीस लें। इसके बाद उसे दिन में 3–4 बार चाटते रहें. ऐसा करने से दस्त रुक जाती है।

5. सांस की दुर्गंध दूर करने के लिए

सांस की दुर्गंध को दूर करने में भी तुलसी के पत्ते काफी फायदेमंद होते हैं और नेचुरल होने की वजह से इसका कोई साइडइफेक्ट भी नहीं होता है। अगर आपके मुंह से बदबू आ रही हो तो तुलसी के कुछ पत्तों को चबा लें।

6. चोट लग जाने पर

अगर आपको कहीं चोट लग गई हो तो तुलसी के पत्ते को फिटकरी के साथ मिलाकर लगाने से घाव जल्दी ठीक हो जाता है। तुलसी में एंटी–बैक्टीरियल तत्व होते हैं जो घाव को पकने नहीं देता है।

7. चेहरे की चमक के लिए

त्वचा संबंधी रोगों में तुलसी खासकर फायदेमंद है। इसके इस्तेमाल से कील मुहासे खत्म हो जाते है और चेहरा साफ होता है।

8. कैंसर के इलाज में

कई शोधों में तुलसी के बीज को कैंसर के इलाज में भी कारगर बताया गया है। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

आप भी फल और सब्जियों को एक साथ करते हैं स्टोर, तो एक्सपर्ट्स से जानिए इसके नुकसान

हम सभी फिट और हेल्दी रहना चाहते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, फिट और हेल्दी रहने के लिए फलों और सब्जियों का सेवन करना चाहिए। क्योंकि नियमित रूप से फलों और सब्जियों का सेवन करने से शरीर हेल्दी रहता है और इम्यूनिटी बढ़ती है। इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से शरीर बीमारियों और संक्रमणों से लड़ने के लिए तैयार होता है। आज के समय में लोगों की लाइफस्टाइल इतनी अधिक व्यस्त हो चुकी है कि उनके पास समय की कमी रहती है। इसलिए अधिकतर लोग फल और ताजी सब्जियों को एक साथ खरीद लेते हैं और फिर इसे स्टोर करते हैं। लेकिन हम सभी फल और सब्जियों को स्टोर करने करने के दौरान कुछ गलतियां कर बैठते हैं। जिसकी वजह से यह जल्दी सड़ने के साथ ही स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि फलों और सब्जियों को एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए?

आजकल के फ्रिज में फलों और सब्जियों को रखने की अलग–अलग जगह होती है। कई लोग फ्रिज और सब्जियों को एकसाथ स्टोर करते हैं। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें, तो फलों और सब्जियों को अलग–अलग स्टोर करना चाहिए। क्योंकि फल नेचुरल गैस एथिलीन रिलीज करते हैं, जिनसे फल पकते हैं। वहीं जो फल जल्द पकते हैं, जैसे केला, सेब, आम, संतरा, अंगूर और एवोकाडो आदि ज्यादा मात्रा में एथिलीन रिलीज करते हैं। ऐसे में अगर आप भी फलों और सब्जियों को एक साथ रखेंगे, तो सब्जियां जल्दी खराब होने लगती हैं और इनका स्वाद भी बदल जाता है। फ्रिज में आम, संतरा, सेब, अंगूर और एवोकाडो जैसे फलों के साथ यदि आप खीरा, शिमला मिर्च, गाजर और पत्ते वाली सब्जियां रखते हैं, तो इन पर जल्दी इफेक्ट दिखने लगता है। खीरा बहुत जल्दी पक जाता है और हल्का पीला रंग लेने लगता है। वहीं हरी पत्तेदार सब्जियां भी जल्द सड़ने–गलने लगती हैं, साथ ही इनका करारापन खत्म हो जाएगा।

फल और सब्जियों को ऐसे करें स्टोर

अक्सर हम सभी फल और सब्जियों को एक साथ स्टोर करते हैं। लेकिन ऐसा करना स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता है। विज्ञान की मानें, तो फल और सब्जियां अलग–अलग गैसों का उत्सर्जन करती हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदेह होती है। आम, केला, पपीता, अमरूद और अनानास जैसे फलों को खुले में स्टोर करना चाहिए। क्योंकि फलों को फ्रिज में स्टोर करने से यह जल्दी पकने लगते हैं और इनका स्वाद भी बिगड़ जाता है। एवोकाडो, संतरा, सेब, कीवी, अनार और अंगूर जैसे फलों को फ्रिज में स्टोर करने के दौरान इन्हें अन्य सब्जियों से अलग रखना चाहिए। हरी सब्जियों को स्टोर करने के स्थान पर इनको ताजा ही बनाकर खाएं, यदि आप सब्जियों को स्टोर करना चाहते हैं, तो इन्हें कपड़ों में लपेटकर फ्रिज में स्टोर करना चाहिए।

फेस टैपिंग से क्या सचमुच में झुर्रियां दूर होती हैं? जानें एक्सपर्ट की राय

आजकल लोगों की स्किन पर झुर्रियां दिखने लगती है, समय से पहले ही त्वचा बूढ़ी नजर आने लगती है। इसका कारण तनाव और खराब जीवनशैली भी हो सकता है। जिसके कारण चेहरे पर फाइन लाइन्स और रिंकल्स की समस्या नजर आने लगती है। झुर्रियों को कम करने के लिए लोग बाजार से तरह–तरह की क्रीम और महंगे ब्यूटी प्रोडक्टस खरीदते हैं। लेकिन फिर भी इन उत्पादों की मदद से झुर्रियों की समस्ष्या कम नहीं होती। ऐसे में लोग थेरेपी और मसाज की ओर भागते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि टैपिंग तकनीक की मदद से झुर्धियों की समस्ष्या को दूर किया जा सकता है। चलिए आपको बताते हैं इस पर एक्सपर्ट की क्या राय है।

क्या फेस टैपिंग करने से झुर्रियां दूर होती हैं?

कई लोग यह दावा करते है कि फेस टैपिंग तकनीकी की मदद से झुर्रियां दूर हो जाती है। हालांकि, यह एकदम सच नहीं है। एक्सपर्ट के मुताबिक, फेस टैपिंग तकनीक की मदद से कुछ हद तक स्किन में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है लेकिन इससे झुर्रियां कम नहीं होती। हालांकि आप अपने स्किन केयर रूटीन में फेस टैपिंग तकनीक को शामिल कर सकते हैं। इस तकनीक की मदद से क्रीम या लोशन आसानी से स्किन में एब्सॉर्ब हो जाएंगे। फेस टैपिंग तकनीक की मदद से चेहरे का ब्लड सर्कुलेन बेहतर होता है और कोलाजन का उत्पादन बढ़ता है जिससे झुर्रियां समय से पहले नहीं आतीं।

झुर्रियां कम करने के लिए क्या करना सही है?

– झुर्रियों को कम करने के लिए बोटोक्स करवाएं। इस ट्रीटमेंट से मांसपेशियों में आराम मिलता है और फेस की झुर्रियां भी कम हो जाती है।

– डर्मल फिलर्स की सहायता से हायालूरोनिक एसिड, कैल्शियम हाइड्रॉक्सीलापेटाइट और पॉली–एल–लैक्टिक एसिड जैसे पदार्थों का उपयोग करके त्वचा को भरने और झुर्रियों को कम करने के लिए इंजेक्शन दिए जाते हैं।

– लेजर थेरेपी के जरिए कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा मिलता है और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है।

– अगर आप भी झुर्रियां दूर करना चाहते हैं तो माइक्रोनीडलिंग में त्वचा की सतह पर छोटी–छोटी सुई से छेद बनाए जाते हैं, जिससे कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा मिलता है और झुर्रियां कम करने में मदद मिलती है।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी का नौवाँ स्थापना दिवस ,बहुभाषी कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

तेजपुर (असम) ,। पूर्वोत्तर भारत में हिंदी भाषा,साहित्य तथा संस्कृति के क्षेत्र कार्य करने वाले न्यास पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी ने आज तेजपुर के असमीया क्लब के सभागार में अपना नौवाँ स्थापना दिवस,बहुभाषी कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया। सर्वप्रथम पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के अध्यक्षा रीता सिंह सर्जनाश की अध्यक्षता में आयोजित सारस्वत समारोह का संचालन तेजपुर विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के सहायक आचार्या डॉ. गोमा देवी शर्मा ने किया। प्रातः 10:00 बजे कार्यक्रम आरंभ हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ लेखिका व साहित्यकार डॉ. अन्नपूर्णा बाजपेयी मौजूद थी। इसके बाद अतिथियों का आसन ग्रहण, दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना एवं जातीय संगीत ,अतिथि सम्मान एवं अतिथि परिचय के बाद स्वागत भाषण रू डॉ. शंकर चक्रवर्ती ने दिया, तिलकराज पौड़ेल ने गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद पुस्तक लोकार्पण

समारोह क्रमशः ष्नारी सर्जकष —लेखक डॉ. गोमा देवी शर्मा, और ष्ईशान प्रभाष— साझा काव्य संकलन (संपादक डॉ. गोमा देवी शर्मा) —अतिथियों के कर कमलो द्वारा पुस्तक लोकार्पण हुआ।

तत्पश्चात सचिव का प्रतिवेदन , जोरहाट की कवयित्री ज्योति अग्रवाल ने कविता पाठ की। विशिष्ट अतिथि के रूप डॉ. वेंक्टेश प्रदीप बाबू अंकोलोजिस्ट (तेजपुर) उपस्थित थे। विश्वनाथ के प्रतिनिधि। कवयित्री सैयदा आनोवारा खातून,बालकवि दिव्यज्योति बरुआ ने कविता की प्रस्तुति दी। इसके बाद समधुर कंठ में चित्रप्रसाद पौड़ेल ने भजन प्रस्तुत किया। डॉ. करबी देवी ,विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, नगाँव विश्वविद्यालय ने गोवालपरिया लोकगीत प्रस्तुति दी। रेलवे के राजभाषा अधिकारी विक्रम सिंह ने अकादमी की सक्रियता एवं हिंदीत्तर भाषी के पूर्वोत्तर में इतने गरिमामय की भव्य कार्यक्रम की भूरी—भूरी प्रशंसा की। इसके बाद सम्मान समारोह का सत्र रखा गया ए सम्मान समारोह श्पूर्वोत्तर सृजन सम्मानश क्रमशरू डॉ. नंदिता दत्त, कविता तिवारी, ज्योति अग्रवाल, कागो मादो और .... , पूर्वोत्तर सारस्वत सम्मान क्रमशरू मृदुल सहरिया, डॉ. ढुण्डिराज उपाध्याय और नया देवी पूर्वोत्तर पत्रकारिता रत्न सम्मान क्रमशरू विनोद रिंगानिया, गौतम कुमार बोरा, पूर्वोत्तर सृजनकला सम्मान क्रमशरू रिजु देवी और तिलक राज पौड़ेल पूर्वोत्तर हिंदी गौरव सम्मान — डॉ. करबी देवी,पूर्वोत्तर हिंदी मित्र सम्मान— संतोष कुमार महतो को प्रदान किए गए। इसके पश्चात तीन स्मृति सम्मान प्रदान किए गए, क्रमशरू तेज बहादुर सुनुवार स्मृति सम्मान — गीता लिम्बू, प्रदाता — रीता सिंह श्सर्जनाश नीलिमा देवी तिम्सिना स्मृति सम्मान— डॉ. अन्नपूर्णा बाजपेई प्रदाता— नारायण उपाध्याय एवं कल्पना देवी आत्रेय तथा विमला देवी प्रह्लाद शर्मा स्मृति सम्मान— नीलिमा बोरा प्रदाता— कंचन शर्माश्कौशिकाश इसके साथ ही हिंदी सप्ताह —2023 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित सभी विजेताओं को सम्मान वितरण किए गए। नारा लेखन में कविता तिवारी, जनपद फतेहपुर, उत्तर प्रदेश, विमला शर्मा श्बोधाश,जोरहाट (असम) लघुकथा लेखन में प्रथम स्थान— मनीषा पाल— लघुकथा – सर्दी ,तृतीय स्थान कविता तिवारी— लघुकथा – जंगलराज, निबंध लेखन में द्वितीय स्थान – डॉ. नंदिता दत्त, डायरी लेखन में प्रथम स्थान – विमला शर्मा श्बोधाश जोरहाट,द्वितीय स्थान— ज्योति अग्रवाल, तृतीय स्थान— तुलसी क्षेत्री, कॉटन विश्वविद्यालय में हिंदी की अतिथि प्रवक्ता,काव्य रचना में तृतीय स्थान— कागो मादो, अरूणाचल प्रदेश को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न,फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के पदाधिकारीध्ट्रस्टी सदस्यध नए संरक्षक एवं नए आजीवन सदस्यों का परिचय एवं प्रमाणपत्र वितरण किया गया।कोषाध्यक्ष डॉक्टर शंकर चक्रवर्ती के धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान के साथ नौवें सारस्वत समारोह संपन्न हुआ।

डॉ. वीरेन्द्र कुमार तिवारी का गीत टीटी

कुरूपता में भी सुन्दरता ढूँढ़ो तो मिल जायेगी ।
ज्यों तड़ाग के पंकिल जल में भी नलिनी खिल जायेगी।।
तल में पंक नीर ऊपर है
दोनों से ऊपर उठकर ।
श्वेत कुमुदिनी के अधरों पर
जाती है कौमुदी बिखर ।
हास—रुदन से परे मन्द स्मित रेखा छा जायेगी ।
कुरूपता में भी सुन्दरता ढूँढो तो मिल जायेगी।।
दुख में क्या उद्वेजित होना
सुख में है बौराना क्या ?
सदा रहे आनन्द हृदय में
खिलना या मुरझाना क्या ?
तिमिर निशा का चल जायेगा दिवा—धूप ढल जायेगी।
कुरूपता में भी सुन्दरता ढूँढो तो मिल जायेगी।।
साँसों की डोरी जिसके कर
वह तो है बस खेल रहा ।
मन ही भूल गया सच्चाई
जग से झूठा मेल रहा ।
कटी पतंग उड़ेगी कब तक धरती पर गिर जायेगी ।
कुरूपता में भी सुन्दरता ढूँढो तो मिल जायेगी।।
इस अनन्त जीवन—यात्रा में
बन विदेह ही जीना है ।
अमृत अथवा विष दोनों को
निर्विकार हो पीना है ।
सत् औ' असत् मिलेंगे जिस पल सब तृष्णा मिट जायेगी।
कुरूपता में भी सुन्दरता ढूँढो तो मिल जायेगी।।
भौतिक सुख की आकांक्षा में
आजीवन दुख क्यों सहना ?
नित्य त्याग इच्छा अनित्य की
भ्रम में ही जीते रहना ।
छलना अपने को अपने ही विमूढ़ता कहलायेगी ।
कुरूपता में भी सुन्दरता ढूँढो तो मिल जायेगी।।

भेद— द्वन्द्व के भाव भुलाकर
गले लगा लो समता को ।
कभी न समझो तुम निर्बल हो
समझो अपनी क्षमता को ।
जब तक चलना चलो निडर हो डर तुमसे डर जायेगी।
कुरूपता में भी सुन्दरता ढूँढो तो मिल जायेगी।।

बेटियों को घरों में कैद करने की साजिश कर रहा इंडी गठबंधन : योगी

- योगी ने की घोसी से अरविंद राजभर को जिताने की अपील
- घोसी के बुजुर्गो का सहारा बनेगी छड़ी

लखनऊ, एजेंसी। सावधान रहें इंडी गठबंधन से, क्योंकि ये कहते हैं कि सत्ता में आएंगे तो विरासत टैक्स लगाएंगे। यह टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है। ये कहते हैं कि सत्ता में आने पर पर्सनल लॉ लागू करेंगे यानि यह देश में तालिबानी और शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। यह बेटियों और महिलाओं को घर में कैद करने की साजिश कर रहे हैं, लेकिन इन्हें ये नहीं पता कि यह देश बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान से चलेगा। हम देश में फिर से तीन तलाक की कुप्रथा को शुरू नहीं होने देंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्ष में दुनिया में देश और भारत के हर नागरिक का सम्मान बढ़ा है। देश में एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार का नारा गूंज रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मऊ की घोसी लोकसभा क्षेत्र की जनसभा में लोकसभा प्रत्याशी डॉ.अरविंद राजभर के पक्ष में वोट की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 10 वर्ष में देश की तकदीर बदली है। अब देश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण है। देश में चारों ओर विकास के बड़े—बड़े कार्य हो रहे हैं। इसके अलावा मोदी जी के नेतृत्व में गरीबों को उनका हक दिया जा रहा है। देश में 80 करोड़ गरीबों को फ्री में राशन की सुविधा दी जा रही है। 60 करोड़ गरीबों को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, 12 करोड़ घरों में शौचालय का निर्माण किया गया है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से हो पाया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 4 जून के बाद देश के 70 वर्ष से ऊपर के हर बुजुर्ग को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये का बीमा कवर दिया जाएगा। वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सोच नकारात्मक है। यह प्रभु श्री राम के साथ देश के भी विरोधी हैं। यह लोग दलितों और पिछड़ों के हक पर डकैती डालते हैं। अब इनकी नजर ओबीसी जाति के आरक्षण पर है। यह कहते हैं कि ओबीसी आरक्षण में सेंध लगाकर मुसलमानों को देंगे, लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। यह ओबीसी जाति के लोगों का अधिकार है और इस अधिकार को हम छीनने नहीं देंगे। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि आरक्षण का आधार धर्म नहीं हो सकता। यह धर्म के आधार पर एक बार फिर देश को विभाजित करना चाहते हैं। जनता जनार्दन इनके मंसूबों को समझ गई है। यही वजह है कि वह इन लोगों से कहती है कि जो राम को लाएं हैं हम उनको लाएंगे। मुख्यमंत्री योगी ने घोसी लोकसभा सीट के मतदाताओं से अपील की है कि आपको भी 400 पार मिशन में शामिल हो करके छड़ी को जिताना है। यही छड़ी बुजुर्गों का सहारा बनेगी।

पूर्व मंत्री विनय शाक्य की हार्ट अटैक से मौत

लखनऊ, एजेंसी। सपा नेता पूर्व मंत्री विनय शाक्य की बीती रात हार्टअटैक से मौत हो गयी। पूर्व विधायक की मौत की जानकारी होते ही शोक प्रकट करने वालों की भटौरा स्थित फार्म हाउस पर भारी भीड़ जुट गयी। भटौरा में ही पूर्व विधायक का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। पूर्व मंत्री विनय शाक्य को शनिवार को लगभग 9 बजे अचानक दिक्कत महसूस हुई तो उन्होंने बिधूना अस्पताल पहुंचकर अपना चौकअप कराया, जिसके बाद दवा लेकर भटौरा आवास वापस आ गये। इसके बाद रात लगभग 12 बजे विनय शाक्य को हार्ट अटैक के आने से सीने में दर्द उठने पर परिजन उन्हें पुनः सीएचसी बिधूना लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टरों उन्हें मृत घोषित कर दिया। पूर्व विधायक की मौत की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक ही लहर दौड़ गयी। उनके भटौरा स्थित आवास पर शोक प्रकट करने वालों की भीड़ जुटने लगी। दोपहर बाद पूर्व विधायक विनय शाक्य का अंतिम संस्कार गांव में ही स्थित उनके खेतों पर कर दिया गया। विनय शाक्य के परिवार में पत्नी निशा शाक्य, पुत्र सिद्दार्थ शाक्य, दो पुत्रियां ऋतू शाक्य व रिया शाक्य के अलावा भाई देवेश शाक्य, भाई की पत्नी व मां द्रोपदी देवी हैं। अछल्दा ब्लाक के गांव घसारा के रहने वाले विनय शाक्य ने विधायक बनने के बाद बिधूना ब्लाक क्षेत्र के गांव भटौरा में फार्म हाउस बना लिया था। जहां पर दो विद्यालयों की स्थापना के साथ वह स्थाई रूप से वहीं पर रहने लगे थे। विनय शाक्य ने 1997 में अपना राजनीतिक जीवन समाजवादी पार्टी से शुरू किया और अपने जीवन के अंतिम समय में भी वह समाजवादी पार्टी में ही थे। विनय शाक्य ने कुछ समय समाजवादी पार्टी में रहने के बाद बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। जिसके बाद संगठन में काम करते हुए वह 2002 में बिधूना विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी से चुनाव लड़े और पूर्व स्पीकर धनीराम वर्मा को पराजित कर विधायक बने। प्रदेश में मायावती के नेतृत्व में सरकार बनने पर उन्होंने विनय शाक्य को बाह्य सहायतित विभाग का राज्य मंत्री बनाकर उनके कद को बढ़ा दिया था। इसके बाद 2007 के चुनाव में विनय शाक्य सपा के धनीराम वर्मा से मात्र 267 वोट से पराजित हो गये थे। जिसके बाद 2009 में बसपा सुप्रीमो मायावती ने विनय शाक्य को एमएलसी बना दिया था। इसके बाद बसपा की सरकार बनने पर उन्हें निगम चेयरमैन बना दिया था। एमएलसी होने के कारण 2012 में विनय शाक्य ने अपने भाई देवेश शाक्य को बसपा से चुनाव लड़वाया, मगर उन्हें हार का सामना पड़ा। 2017 के चुनाव से पहले विनय शाक्य भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये थे। जिसके बाद उन्होंने भाजपा ने विधानसभा चुनाव लड़ा और वह दूसरी बार बिधूना से विधायक बने।विधायक बनने के कुछ समय बाद विनय शाक्य को ब्रेन स्ट्रोक हुआ जिसके बाद से वह लगातार बीमार चल रहे थे। अपने छोटे भाई देवेश शाक्य के साथ सक्रिय रहते थे। देवेश शाक्य समाजवादी पार्टी से एटा लोकसभा का चुनाव लड़े तो विनय शाक्य अस्वस्थ होने के बाबजूद एटा रहे और देवेश शाक्य के साथ चुनावी मंच साझा करते रहे।अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा—वरिष्ठ सपा नेता, पूर्व मंत्री विनय शाक्य जी का निधन, अत्यंत दुखद ! ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें। विनम्र श्रद्धांजलि !

अंतिम चरण:जातीय समीकरण के आगे मुद्दे गौड़

मन्दिर मस्जिद और आरक्षण पर भी खूब होती बात

लखनऊ, एजेंसी। अब केवल पूर्वांचल की धरती पर ही चुनाव बचा है। पहली जून को मतदान होगा और 13 सीटों के उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। पूर्वांचल में मंदिर, मस्जिद, मजहब, आरक्षण, बेरोजगारी और महंगाई पर चर्चा तो खूब हो रही है लेकिन हावी सिर्फ समीकरण हैं। मतदाताओं पर जातीय अस्मिता का सवाल छाया हुआ है,उसके सामने सारे मुद्दे गौड़ हैं। अंतिम चरण के लोकसभा क्षेत्रों में मतदाताओं के दिलो—दिमाग पर जाति ही सबसे ऊपर दिखाई दे रही है। पूर्वांचल में 27 सीटें हैं, जिनमें 14 पर 25 मई को मतदान हो चुका है। शेष 13 सीटों पर पहली जून को मतदाता अपना फैसला सुनाएंगे। कुर्मी समाज को भाजपा अपने साथ मानती है। पिछले चुनावों में यह समाज पार्टी के साथ दिखा भी था।इस चुनाव में पार्टी ने कई प्रत्याशी बदले लेकिन इस समीकरण की ओर ध्यान नहीं दिया। देवीपाटन मंडल, बस्ती मंडल और अयोध्या मंडल में एक भी कुर्मी उम्मीदवार नहीं दिया। राज्य सरकार में भी इस समाज की हिस्सेदारी नहीं थी। इंडिया गठबंधन ने बस्ती, गोंडा, श्रावस्ती और अंबेडकरनगर में कुर्मी समाज से प्रत्याशी देकर भाजपा के कोर वोटबैंक में सेंध लगाने का दांव चला। इंडिया और एनडीए प्रत्याशी में कौन जीतेगा, यह नहीं कह सकते लेकिन जीत—हार का अंतर ज्यादा नहीं रहेगा। इंडिया गठबंधन इस समाज के मतों में सेंधमारी में काफी हद तक सफल हुआ है।सपा प्रत्याशी के एमवाई मुस्लिम व यादव फैक्टर में कुछ क्षत्रिय मतदाताओं का साथ मिलने से लड़ाई कांटे की है।कैसरगंज और डुमरियागंज में गठबंधन ने ब्राह्मण प्रत्याशी का दांव चला। जाति, आरक्षण व संविधान की बात करने के बावजूद कई जगह गठबंधन ब्राह्मण मतों में सेंध लगाता नजर आया है।आजमगढ़ और जौनपुर में तो एमवाई समीकरण ने खूब काम किया। दलितों के कुछ वोट सपा को मिले हैं। भाजपा प्रत्याशी को सवर्ण मतदाताओं के साथ ही गैर यादव ओबीसी का समर्थन मिला।भदोही में सवर्ण और बिंद मतदाता भाजपा के पाले में रहे तो टीएमसी प्रत्याशी ने ब्राह्मण मतों का बड़ा हिस्सा हासिल किया।

यूपी में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त, 26,76,546 लोग पाबन्द

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा—निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सघन जाँच के लिए 464 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1730 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 26 मई तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 537 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 4766 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 28,25,108 लोगों को पाबन्द किये जाने हेतु नोटिस प्रेषित किये गये है, जिनमें से 26,76,546 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। पुलिस विभाग द्वारा 10057 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 10210 कारतूस, 3099.32 किलोग्राम विस्फोटक व 595 बम बरामद कर सीज किये गये।

संक्षिप्त

युगधारा फाउंडेशन एवं मुक्तक लोक का मनाया गया स्थापना दिवस

लखनऊ, एजेंसी। साहित्यिक संस्था युगधारा फाउंडेशन लखनऊ और मुक्तक लोक संपूर्ण हिंदी साहित्यांगन के संयुक्त तत्वावधान में स्थापना दिवस लखनऊ में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ उमाशंकर शुक्ल ने की। मुख्य अतिथि पद्मश्री विद्या विंदु सिंह और अति विशिष्ट प्रो विश्वंभर शुक्ल रब। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विद्वान वक्ताओं शिवमोहन सिंह और रामकृष्ण सहस्रबुद्धे ने समकालीन साहित्य में रचनाकारों की भूमिका, साहित्य और समाज का सम्बन्ध विषय पर विस्तार से चर्चा की।कार्यक्रम में मुक्तक लोक साहित्यांगन के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार प्रो विश्वंभर शुक्ल की दो कृतियां गुल्लक टूटी आंसू छलके, छुपे दृगों में हजार बादल तथा युगधारा फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित साझा संकलन का समकालीन सृजन के सशक्त हस्ताक्षर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रचनाकारों को सम्मानित किया गया। कवि निडर जौनपुरी की अध्यक्षता में अयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में प्रमुख रूप से अतिथि रचनाकारों के अतिरिक्त कविता सूद, रोशनी किरण, प्रदीप भट्ट, अशोक पांडेय अशोक, माधुरी मिश्र, किरन तिवारी, रीता सिंह, एच पी गुप्ता, विनोद दुबे, श्रीशचंद्र दीक्षित पूजा पाण्डे,आदि ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर गीता अवस्थी अध्यक्ष, आकाश अवस्थी उपाध्यक्ष एवं सौम्या मिश्रा महासचिव एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इंडिया गठबंधन की बनेगी सरकार : अजय

स्मृति की हार तय क्योंकि 13 रूपये किलो नही दे पाई चीनी

लखनऊ, एजेंसी। इंडिया गठबंधन यूपी की सभी 80 सीटों पर जीतने जा रहा है। केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।चार जून को जब रिजल्ट आयेगा तो हम अमेठी भी जीतेंगे क्योंकि स्मृति ईरानी 13 रूपये किलो चीनी नही दे पाई हैं। बयानबाजी नही जनता काम चाहती है। बनारस से कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय ने कहा कि वाराणसी में समस्या ही समस्या है, मोदीजी ने 10 साल में किसी समस्या का समाधान तो किया नहीं। बनारस में पीने के पानी और सीवरेज की समस्या है। महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्या भी है।उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार सारे काम गुजरातियों को दे रही है जबकि वोट हमारे प्रदेश से ले रही है। वोट हमारा, राज तुम्हारा अब चलने वाला नहीं है। 10 साल से मोदीजी प्रधानमंत्री हैं लेकिन वाराणसी में कल—कारखाने नहीं लगे, कोई स्कूल नहीं बना। गंगा में आज भी नाले का पानी गिर रहा है। पीएम पर तंज कसते हुए अजय राय ने कहा, काशी में मेरा घर है और यहीं से चुनाव लड़ रहा हूं, मैं कभी गुजरात चुनाव लड़ने नहीं जाऊंगा।उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि चुनाव से पहले मुझे खरीदने की कोशिश की गई, राज्यसभा का टिकट तक ऑफर किया गया लेकिन मैं जमीनी आदमी हूं, बिकाऊ नहीं। रायबरेली सीट पर कांग्रेस जीत रही है। अमेठी में भी कांग्रेस ही जीत रही है क्योंकि स्मृति ईरानी 13 रुपए प्रति किलो चीनी दे नहीं पाईं। इस बार यूपी में श्इंडियाश का डंका बजेगा और यूपी की हम 80 में 80 सीटें जीतने वाले हैं।उन्होंने कहा कि मैं भले ही दो बार चुनाव हारा लेकिन इस बार का चुनाव धुआंधार होगा। बनारस की जनता समझ गई है,मैं काशी छोड़ने वाला नहीं।

हर पार्टी के लिए अहम है यूपी

लखनऊ, एजेंसी। केंद्र का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है।राज्य में लोकसभा की कुल 80 सीटें हैं और यह लोकसभा की सीटों के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण रिजल्ट भी काफी अहम हो जाता है।एनडीए हो या इंडिया गठबंधन किसी की भी बिना यूपी की मर्जी के हुकूमत नही बनने वाली है। यह बात खुले मंच से कई बार खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोल चुके हैं। उन्होंने कई बार कहा,यूपी की बदौलत हम प्रधानमंत्री बने हैं।इतिहास गवाह है, जिधर उत्तर प्रदेश झुका, झंडा बुलंद हुआ है। बीते चुनाव के रिजल्ट देखें तो यूपी केंद्र में सरकार बनाने वाली हर पार्टी के लिए अहम रहा है। उत्तर प्रदेश ने अब तक देश को नौ प्रधानमंत्री दिए हैं। अब एक चरण बाकी है जिसपर सबकी निगाहें जा टिकी हैं।सातवें चरण के लिए राजनीतिक दलों ने जोर लगा दिया है। आखिरी चरण में 13 सीटों पर पहली जून को मतदान होना है। इसमें वाराणसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र भी है जहां से स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव मैदान में हैं लेकिन हर बार की तरह उत्तर प्रदेश के रिजल्ट बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए अहम होने जा रहे हैं। इस चुनाव में बीते चुनावो की अपेक्षा मुद्दे और समीकरण बदले हुए हैं।इस बार दलबदल भी खूब हुआ है। चार जून को सब सामने आ जायेगा।

बुजुर्ग का पारा पुलिस ने किया अंतिम संस्कार,दिया कंधा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र के देवपुर पारा में एक बुजुर्ग की मौत के बाद पुलिस ने उसका अंतिम संस्कार किया है। पैसों की कमी के चलते मृतक की बेटी ने पुलिस से मदद मांगी थी। देवपुर पारा निवासी महिला ने सोमवार को डायल 112 पुलिस को सूचना दी कि उसके पिता की मृत्यु हो गई है। उसके परिवार में कोई पुरुष नहीं है। अंतिम संस्कार के लिए उसके पास पैसे भी नहीं है।सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का विधि विधान से अंतिम संस्कार किया। पारा थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार वर्मा ने बताया, सूचना मिलने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए जलालपुर चौकी इंचार्ज दिग्विजय यादव और पीआरवी के समस्त कर्मचारी तथा चौकीदार ने आर्थिक मदद करते हुए शव को कंधा देकर दाह संस्कार कराया।

मामूली कहासुनी पर युवक ने तानी पिस्टल, वेव मॉल के सामने की घटना

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्थित वेव मॉल के सामने एक युवक की दबंगई का वीडियो सामने आया है। एसयूवी सवार युवक वीडियो में सड़क पर पिस्तौल निकालकर दूसरे व्यक्ति को मारता दिख रहा है। बताया जा रहा है किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद युवक ने पिस्टल तान दी। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक विभूति खंड में वेव माल के सामने एक एसयूवी सवार से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद उसने गुस्से में पिस्तौल निकालकर तान दी। ये हाई वोल्टेज ड्रामा काफी देर तक सड़क पर चलता रहा। दबंगई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गाजा के राफा में इजरायली कार्रवाई में 35 की मौत, एयरस्ट्राइक में हमास के 2 आतंकियों का खात्मा

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने कहा कि दक्षिणी गाजा शहर राफा में इजरायली हमलों में कम से कम 35 लोग मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, कई अन्य लोग धधकते मलबे में फंसे हुए थे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मृतकों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जबकि दर्जनों अन्य घायल हुए हैं। ये हमले रविवार (26 मई) को कई महीनों में पहली बार तेल अवीव और मध्य इज़राइल को निशाना बनाकर रफ़ा से दागे गए रॉकेटों की भारी बमबारी के कुछ घंटों बाद हुए। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा इज़राइल को राफा में अपने सैन्य आक्रमण को समाप्त करने का आदेश देने के दो दिन बाद इजरायली कार्रवाई भी हुई, जहां गाजा की आधी से अधिक आबादी ने इस महीने इजरायली घुसपैठ से पहले शरण मांगी थी।

इज़रायली सेना ने कार्रवाई की पुष्टि की

इजराइल की सेना ने अपने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि इसने हमास के एक प्रतिष्ठान पर हमला किया और हमास के दो वरिष्ठ आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ ने एक्स पर पोस्ट किया उत्तर पश्चिमी राफा में सटीक हवाई हमले में यहूदिया और सामरिया में हमास चीफ ऑफ स्टाफ और एक अतिरिक्त वरिष्ठ हमास अधिकारी को मार गिराया गया। इसने कहा कि वह उन रिपोर्टों की जांच कर रहा है जिनमें नागरिकों को नुकसान पहुंचाया गया है। उनके कार्यालय ने कहा कि रक्षा मंत्री योव गैलेंट रविवार को राफा में थे और उन्हें वहां अभियान को गहरा करने के बारे में जानकारी दी गई। फ़िलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के एक प्रवक्ता के अनुसार, मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है क्योंकि राफ़ा के ताल अल–सुल्तान पड़ोस में खोज और बचाव अभियान चल रहा है। सोसायटी ने दावा किया कि इस स्थान को इज़राइल द्वारा ष्मानवीय क्षेत्रष के रूप में नामित किया गया था। यह पड़ोस उन क्षेत्रों में शामिल नहीं है जिन्हें

इज़राइली सेना ने इस महीने की शुरुआत में खाली करने का आदेश दिया था। हमास द्वारा गाजा से रॉकेट दागे जाने के कुछ घंटों बाद हवाई हमले की सूचना मिली। जनवरी के बाद से गाजा की ओर से किए गए पहले लंबी दूरी के रॉकेट हमले में किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। हमास की सैन्य शाखा ने जिम्मेदारी ली।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक स्कूल में लगी भीषण आग

1400 छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला गया

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक पहाड़ी इलाके में भीषण आग की चपेट में आयी एक स्कूल की इमारत से सोमवार को लगभग 1,400 छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह जानकारी मीडिया की एक खबर से मिली। 'जियो न्यूज' ने एक बचाव अधिकारी के हवाले से बताया कि आग हरिपुर जिले के सिरिकोट गांव में सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में उस समय लगी जब सैकड़ों छात्राएं अंदर थीं। उन्होंने बताया कि स्थानीय निवासियों के साथ अग्निशमन कर्मियों ने आग बुझाना शुरू किया। अधिकारी ने कहा कि पहाड़ी इलाका होने के कारण दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचने में

परेशानी का सामना करना पड़ा। हरिपुर के रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता फराज जलाल ने कहा कि वहां लगभग 1,400 छात्राएं थीं और उन सभी को स्कूल की इमारत से सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रवक्ता ने कहा कि विद्यालय की इमारत आग से पूरी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बचाव विभाग ने पुष्टि की कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई है और कहा कि स्कूल भवन का आधा हिस्सा लकड़ी से बना हुआ था। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने पुष्टि की कि स्कूल की इमारत में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। चौधरी ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और स्कूल को जल्द ही चालू किया जाएगा। पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा एक अशांत प्रांत है, जहां आतंकवादियों द्वारा स्कूल भवनों को अक्सर निशाना बनाया जाता रहा है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि बचाव अधिकारियों ने समय पर कार्रवाई की और छात्राओं को बाहर निकाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन दुर्घटना के संबंध में एक रिपोर्ट सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों की समीक्षा की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो। गंडापुर ने कहा कि प्रांतीय सरकार आग से हुए नुकसान की भरपाई करेगी।

गाजा के रफह में इजराइली हवाई हमले में 35 लोगों की मौत : फलस्तीनी चिकित्सक

फलस्तीनी स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि गाजा के दक्षिणी शहर रफह में विस्थापित लोगों के लिए बने तंबुओं पर इजराइल द्वारा किये गये हवाई हमलों में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गयी और कई लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक, इस हवाई हमले में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत ने इजराइल को रफह में अपनी सैन्य कार्रवाई रोकने का आदेश दिया था, जिसके दो दिन बाद रविवार को यह हमला किया गया। इस महीने की शुरुआत में इजराइल के हमले से पहले तक रफह में गाजा की आधी से ज्यादा आबादी ने शरण ली हुई थी। इलाके में हजारों लोग अब भी रह रहे हैं जबकि बहुत से लोग यहां से भाग निकले हैं। सबसे बड़े हवाई हमले की फुटेज से इलाके में भारी तबाही का मंजर दिखाई दे रहा है। इजराइली सेना ने हमले की पुष्टि की और बताया कि उसने हमास के एक ठिकाने को निशाना बनाया और इसमें हमास के दो चरमपंथी मारे गये। सेना ने बताया कि वह खबरों की जांच कर रही है कि नागरिकों को नुकसान पहुंचा है या नहीं। रक्षा मंत्री योव गैलेंट रविवार को रफह पहुंचे और उन्हें

वहां तेज होते अभियान की जानकारी दी गई। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसायटी के एक प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि रफह के तल अल सुल्तान में खोज एवं बचाव अभियान अभी जारी है। सोसायटी ने दोहराया कि इजराइल ने खुद इस इलाके को एक मानवीय क्षेत्र नामित किया था। यह इलाका उन क्षेत्रों में शामिल नहीं है, जिन्हें इजराइली सेना ने इस महीने की शुरुआत में खाली करने का आदेश दिया था।

टेक्सास, ओक्लाहोमा और अर्कांसस में तूफान से कम से कम 15 लोगों की मौत

अमेरिका के टेक्सास, ओक्लाहोमा और अर्कांसस में आये शक्तिशाली तूफान में दो बच्चों सहित कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, कई मकान तबाह हो गये और हजारों लोगों को बिना बिजली के रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि ओक्लाहोमा सीमा के समीप टेक्सास की कुक काउंटी में कई लोगों के मारे जाने की सूचना प्राप्त हुई, जहां शनिवार रात को आए तूफान ने एक ग्रामीण इलाके में भारी तबाही मचाई। ओक्लाहोमा में तूफान से काफी नुकसान हुआ। यहां एक विवाह समारोह में आए मेहमान तूफान की वजह से घायल हो गये। कुक काउंटी के शेरिफ रे सैप्पिंगटन ने कहा, यहां सिर्फ मलबे का ढेर बचा है। भारी तबाही हुई है। शेरिफ ने बताया कि मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं, जिनकी उम्र दो और पांच वर्ष थी। उन्होंने बताया कि एक परिवार के तीन सदस्यों की भी तूफान से हुई तबाही में मौत हो गयी। तूफान की वजह से कई मकान और व्यवसायिक प्रतिष्ठान पूरी तरह से तबाह हो गये और कई इलाकों में पेड़ एवं बिजली के खंभे भी

उखड़ गये। वैली व्यू के आस–पास के इलाके तूफान से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। सैप्पिंगटन ने बताया कि 'इंटरस्टेट 35' पर 'एपी ट्रैवल सेंटर' नाम के एक ट्रक अड्डे पर 60 से 80 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि कई लोग शरण लेने के लिए वहां पहुंचे हुए थे। बिजली समस्या से जुड़ी एक वेबसाइट के मुताबिक, टेक्सास से लेकर कंसास, मिसौरी, अर्कांसस, टेनिसी और केनटकी तक 4,70,000 से ज्यादा लोगों को बिना बिजली के रहने के लिए मजबूर होना पड़ा।

संक्षिप्त

ईरान के कार्यवाहक राष्ट्रपति मोखबर का नई संसद में पहला संबोधन, जानिए क्या कहा

ईरान के कार्यवाहक राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर ने पिछले सप्ताह हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनके पूर्ववर्ती और सात अन्य लोगों की मौत के बाद अपने पहले सार्वजनिक भाषण में सोमवार को देश की नई संसद को संबोधित किया। उनका भाषण तब आया है जब ईरान केवल एक महीने में दिवंगत इब्राहिम रायसी की जगह लेने के लिए राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी कर रहा है। इस बीच, ईरान की नई कट्टरपंथी संसद द्वारा मंगलवार को अपना नया अध्यक्ष चुने जाने की उम्मीद है। अपनी टिप्पणी में मोखबर ने कार्यालय में रायसी के समय की प्रशंसा की, यह देखते हुए कि ईरान का कच्चे तेल का

उत्पादन देश के लिए कठिन मुद्रा का एक प्रमुख स्रोत प्रति दिन 3.6 मिलियन बैरल से अधिक हो गया। तेल मंत्री जवाद ओवजी ने रविवार को कहा था कि इस्लामिक गणराज्य को निशाना बनाने वाले पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद, ईरान अब प्रति दिन लगभग 2 मिलियन बैरल निर्यात कर रहा है। मोखबर ने यह भी दावा किया कि जब ईरान ने हाल के महीनों में इराक, इज़राइल और पाकिस्तान में सैन्य कार्रवाई की तो रायसी के तहत देश की अर्थव्यवस्था स्थिर रही। विश्व शक्तियों के साथ तेहरान के 2015 के परमाणु समझौते के समय ईरानी रियाल 32,000 रियाल से गिरकर 1 डॉलर पर आ गया है। आज, समझौते से अमेरिका की एकतरफा वापसी और मध्य पूर्व में शिपिंग पर हमलों की एक श्रृंखला के मद्देनजर यह लगभग 580,000 से 1 डॉलर है, जिसका श्रेय पहले ईरान को दिया गया और बाद में गाजा पट्टी पर हमास के खिलाफ इजरायल के युद्ध के रूप में यमन के हूती विद्रोहियों को शामिल किया गया।

पापुआ न्यू गिनी सरकार का दावा, भूस्खलन के कारण 2,000 लोग जिंदा दफन हुए

मेलबर्न। पापुआ न्यू गिनी सरकार ने कहा है कि शुक्रवार को हुए भूस्खलन के कारण ''2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन'' हो गए है। सरकार ने बताया कि उसने राहत कार्यों के लिए औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने पापुआ न्यू गिनी में बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन से 670 लोगों की मौत होने की आशंका जताई थी। सरकार का आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी के आंकड़ों से करीब तिगुना है। संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक को रविवार को लिखे गए एक पत्र में

दक्षिण प्रशांत द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रीय आपदा केंद्र के कार्यवाहक निदेशक ने कहा कि भूस्खलन में ''2000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए'' और ''बड़ा विनाश'' हुआ। भूस्खलन के बाद से हताहत हुए लोगों की संख्या का अनुमान व्यापक रूप से अलग–अलग है और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अधिकारियों ने पीड़ितों की संख्या कैसे गिनी। ऑस्ट्रेलिया ने पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन स्थल पर मदद के लिए विमान और अन्य उपकरण भेजने की सोमवार को तैयारी की। पापुआ न्यू गिनी के पहाड़ी इलाकों में रात भर हुई बारिश के बाद यह आशंका पैदा हो गई है कि जिस कई टन मलबे में सैकड़ों ग्रामीण दबे हैं, वह खतरनाक रूप से अस्थिर हो सकता है। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा कि उनके अधिकारी शुक्रवार से पापुआ न्यू गिनी के अपने समकक्षों के साथ बात कर रहे हैं। देश की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी से लगभग 600 किलोमीटर दूर उत्तर–पश्चिम में एंगा प्रांत में शुक्रवार को भूस्खलन हुआ था। इस भूस्खलन में मारे गए छह लोगों के शव बरामद हुए हैं।

स्वे में फंसे 13 भारतीय कामगारों को बचाया गया

अवैध रूप से काम के लिए बहला फुसलाकरलाओस ले जाए गए 13 भारतीय को बचा लिया गया और उन्हें घर वापस भेजा जा रहा है। लाओस में भारतीय दूतावास ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले महीने लाओस में 17 भारतीय

कामगारों को बचाया गया और उन्हें भारत वापस लाया गया था। लाओस में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में भारतीयों की सुरक्षा और हित सुनिश्चित करने के लिए दूतावास ने 13 भारतीयों को सफलतापूर्वक बचाया और वापस लाया गया। इनमें अटापेउ प्रांत में एक लकड़ी के कारखाने में काम करने वाले ओडिशा के सात कामगार और बोकेओ प्रांत में स्थित गोल्डन ट्रायंगल एसईजेड में काम करने वाले छह भारतीय युवा शामिल हैं।

टोंगा में शक्तिशाली भूकंप, सुनामी आने का खतरा नहीं

दक्षिण प्रशांत द्वीप राष्ट्र टोंगा में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए लेकिन इसके कारण सुनामी आने का खतरा नहीं है और न ही लोगों के हताहत होने की कोई सूचना मिली है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजकर 47 मिनट पर आया और इसकी प्रारंभिक तीव्रता 6.6 थी। भूकंप का केंद्र राजधानी नुकु'आलोफा से 198 किलोमीटर उत्तर में 112 किलोमीटर की गहराई पर था। हवाई स्थित प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने बताया कि भूकंप से सुनामी आने का कोई खतरा नहीं है।

उत्तर कोरिया ने जापान को उपग्रह प्रक्षेपण की योजना की जानकारी दी

उत्तर कोरिया ने जापान को अगले सप्ताह की शुरुआत में एक उपग्रह प्रक्षेपित करने की अपनी योजना की जानकारी दी है, जो उसका दूसरे सैन्य जासूसी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने का स्पष्ट प्रयास है। दक्षिण कोरिया, जापान और चीन के नेता सोमवार को अपनी पहली त्रिपक्षीय बैठक के लिए सियोल में एकत्र थे तभी उत्तर कोरिया के संबंध में यह जानकारी मिली। जापान के तट रक्षक ने बताया कि उसे उत्तर कोरिया ने 'उपग्रह रॉकेट' के तय प्रक्षेपण के बारे में सूचित किया है जिसमें सोमवार से तीन जून की आधी रात तक कोरियाई प्रायद्वीप एवं चीन के बीच के जलक्षेत्र और

फिलीपीन द्वीप लुजोन के पूर्व में सुरक्षा बरतने को लेकर सचेत किया गया है। उत्तर कोरिया जापान को अपने प्रक्षेपण की जानकारी देता है क्योंकि जापान का तट रक्षक पूर्वी एशिया में समुद्री सुरक्षा जानकारी का समन्वय और वितरण करता है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के कार्यालय ने बताया कि किशिदा ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उत्तर कोरिया से प्रक्षेपण नहीं करने का अनुरोध करने और किसी भी आपात स्थिति में पर्याप्त कदम उठाने में अमेरिका, दक्षिण कोरिया और अन्य देशों के साथ सहयोग करें।

अगली महामारी से निपटने की तैयारियों के लिए WHO ने अपनी वार्षिक बैठक शुरू की

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोविड–19 के मद्देनजर अगली महामारी से निपटने के लिए वैश्विक तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से सदस्य देशों के मंत्रियों और अन्य शीर्ष प्रतिनिधियों के साथ सोमवार को अपनी वार्षिक बैठक शुरू की। हालांकि, सर्वाधिक महत्वाकांक्षी परियोजना महामारी को लेकर एक संधि पर हस्ताक्षर करना है लेकिन मसौदा नहीं तैयार किये जा सकने के चलते यह ठंडे बस्ते मेंहै। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने इस बात पर जोर दिया है कि शुक्रवार तक इस पर एकजुट नहीं हो सकना कोई नाकामी नहीं है और इस हफ्ते वर्ल्ड हेल्थ असेंबली आगे की राह तैयार कर सकती है। प्रतिनिधियों, स्वास्थ्य अधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा अब भी एक मसौदा संधि तैयार करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, डब्ल्यूएचओ महानिदेशक ने अनुमान जताया है कि यह बैठक डब्ल्यूएचओ के 76 वर्षों के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।